M/s. SHANTA SERVICE STATION
Bharat Petroleum
Quality & Quantity
Powai Chowk, Behind Shreeram Cinema, Ulhasnagar-4.
Tel.: 0251-2584077
Pure for Sure

सिर्फ 2 रू.
ठाणे जिले का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
दैनिक धनुषधारी
संस्थापक प्रधान संपादक स्व. श्री दिलीप जे. लालवानी

वर्ष-32, अंक 243, उल्हासनगर, रविवार 14 सितंबर 2025 (पृष्ठ 6) | Mob. No. 9325937797 | E-mail Add.:- newsddd@gmail.com dailydhanushdhari@yahoo.com | Post Regd No.THC/111/2024-2026 *RNI No. 68359/93,*

dhanushdharinews | Dhanushdhari | DhanushdhariN | Website - www.dailydhanushdhari.com

हंड्रेड बार में चल रहा था अश्लील नृत्य, पुलिस ने मारा छापा

मालिक, मैनेजर समेत 12 लोगों के खिलाफ मामला एफआईआर

उल्हासनगर (नि.स.)। उल्हासनगर की विट्ठलवाड़ी पुलिस ने एक डांस बार में छापा मारकर वहां महिला वेटरों द्वारा कम कपड़े में ग्राहकों के सामने अश्लील नृत्य करने के मामले में बार मालिक, मैनेजर, पुरुष तथा महिला वेटरों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कैंप तीन, श्रीराम चौक परिसर में स्थित हंड्रेड बार में महिला वेटरों द्वारा कम कपड़े में ग्राहकों के सामने अश्लील नृत्य करने की जानकारी विट्ठलवाड़ी पुलिस को मिली। जिसके बाद शुक्रवार देर रात सवा एक बजे पुलिस ने वहां छापा मारा। उस वक्त महिला वेटरों द्वारा कम कपड़े में अश्लील नृत्य कर ग्राहकों को रिझाते पुलिस ने उन्हें रंगे हाथों पकड़ा। पुलिस ने होटल के मालिक तुलसीदास वसीटा, मैनेजर, पुरुष तथा महिला वेटरों, इस प्रकार कुल 9 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। बहरहाल आगे की जाँच पुलिस उपनिरीक्षक बी.बी.क्षीरसागर कर रहे हैं।

सरकारी नियमों की अनदेखी, एप्पल आर्केस्ट्रा बार के मैनेजरों के खिलाफ मामला दर्ज

उल्हासनगर (नि.स.)। सरकारी नियमों की अनदेखी करने को लेकर उल्हासनगर की विट्ठलवाड़ी पुलिस ने कैंप तीन, श्रीराम चौक परिसर में स्थित एप्पल आर्केस्ट्रा बार के मैनेजरों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। दरअसल आर्केस्ट्रा बार चलाने के लिए सरकार ने नियम कानून बनाया हुआ है पर अधिकांश बार संचालकों द्वारा नियम कानून को ताक पर रखकर बार चलाए जाने की जानकारी अक्सर सामने आती रहती है। इसी कड़ी में विट्ठलवाड़ी पुलिस द्वारा एप्पल आर्केस्ट्रा बार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए वहां के मैनेजरों रोहित यशवंत पांडव (39) तथा दुर्गेश महेंद्र पांडेय (30) के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। मामले की जाँच पुलिस उपनिरीक्षक बी.बी.क्षीरसागर कर रहे हैं।

दोस्त को पीटने वालों को पकड़ना पड़ा भारी, आरोपी ने किया तलवार से जानलेवा हमला

उल्हासनगर (नि.स.)। एक युवक जब अपने दोस्त को पीटने वाले चार लोगों को पकड़ने उसके पीछे भागा तब उसमें से एक ने युवक तथा उसके दोस्त पर तलवार से जानलेवा हमला कर घायल कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार उल्हासनगर के कैंप तीन, सेक्शन 24, अनिल-अशोक सिनेमा हॉल के पीछे रहने वाले 26 साल के हीरो पोपटानी ने आयुष सचिन लाजर, विष्णु, ओम राजपूत तथा उनके एक अज्ञात साथी के खिलाफ मध्यवर्ती पुलिस थाना में शिकायत दर्ज करवाया है।

अपनी शिकायत में उसने पुलिस को बताया कि शुक्रवार रात साढ़े बारह बजे वह अपने मित्र रौशन यादव के साथ अनिल अशोक सिनेमा हॉल के सामने कल्याण-अंबरनाथ रोड पर खड़ा था। तभी वहां उन चारों ने रौशन के साथ वाद-विवाद कर उसे पीटकर भागने लगे। इस दौरान वह और रौशन जब उन चारों को पकड़ने के लिए उनके पीछे भागे तब ओम राजपूत ने उसपर एवं रौशन पर तलवार से जानलेवा हमला कर उन्हें घायल कर दिया। बहरहाल मामले की जाँच पुलिस उपनिरीक्षक ज्ञानेश्वर वाघमारे कर रहे हैं।

अंबरनाथ में महिला पर अज्ञात युवक ने किया चाकू से हमला

अंबरनाथ (नि.स.)। अंबरनाथ पश्चिम स्थित मोहन नैनो बिल्डिंग में एक चौंकाने वाली घटना घटी है। पार्लर क्लास से लौट रही प्रियंका रासकर पर लिफ्ट बंद होने के कारण सीढ़ियों से ऊपर जाते समय एक अज्ञात युवक ने हमला कर दिया। अचानक हुए इस हमले में रासकर गंभीर रूप से घायल हो गई और उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। हमले का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। घटना शुक्रवार दिनांक 12 सितंबर को शाम 4 बजे हुई।

शिकायतकर्ता प्रियंका जब अपनी बिल्डिंग लौटीं तो बिजली गुल होने के कारण लिफ्ट बंद थी। इसलिए वह सीढ़ियों से ऊपर जा रही थीं। लगभग 20-21 साल के एक अज्ञात युवक ने चौथी और पाँचवीं मंजिल के बीच उनका पीछा करते हुए उन पर धारदार चाकू से हमला कर दिया। आरोपी ने उनके दाहिने गाल, ठोड़ी, सिर और कंधे के नीचे पीठ पर कई बार चाकू से वार किया। इस घटना के बाद आरोपी फरार हो गया। गंभीर रूप से घायल प्रियंका को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस संबंध में अंबरनाथ पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता की धारा 118 (2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। महिला सहायक पुलिस उपनिरीक्षक सुप्रिया देशमुख मामले की जाँच कर रही हैं। इस हमले से इलाके में दहशत का माहौल है।

उमनपा के स्वास्थ्य विभाग में भ्रष्टाचार का खेल?

शौचालय मरम्मत टेंडर में पक्षपात का आरोप, मामला पहुंचा हाईकोर्ट

उल्हासनगर (नि.स.)। उल्हासनगर महानगरपालिका में भ्रष्टाचार और पक्षपात के आरोप लगातार उठते रहे हैं। ताज़ा मामला पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट से जुड़ा है, जहाँ क्लब टेंडरिंग और अन्य शर्तों को लेकर छोटे ठेकेदारों ने गंभीर आपत्ति दर्ज कराई है। मामला अब उच्च न्यायालय की चौखट तक पहुँच चुका है।

मिली जानकारी के अनुसार, उमनपा के पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट ने 20 अगस्त 2025 को शहर के 11 सार्वजनिक शौचालयों की मरम्मत कार्यों के लिए टेंडर जारी किया। इस टेंडर को क्लब टेंडर कहा जा सकता है क्योंकि सभी कामों को एक साथ जोड़कर निकाला गया था। छोटे ठेकेदारों का आरोप है कि यह प्रक्रिया उनके लिए प्रतिकूल और बड़े ठेकेदारों को फायदा पहुँचाने वाली थी। टेंडर की शर्तों में यह नियम रखा गया कि बोलीदाता को पहले स्थल पर जाकर शौचालय की तस्वीरें खींचनी होंगी और फिर उन्हें मनपा कार्यालय में जमा कर प्रमाणपत्र प्राप्त करना अनिवार्य होगा। यही प्रमाणपत्र टेंडर के साथ संलग्न करना जरूरी था। टेंडर भरने की अंतिम तिथि 8 सितंबर 2025 तय की गई थी।

इस बीच, कुछ ठेकेदारों ने 1 और 2 सितंबर को स्थल का फोटो खींचकर 3 सितंबर को प्रमाणपत्र प्राप्त करने हेतु मनपा में जमा किया। लेकिन आरोप है कि अधिकारियों ने बहाना बनाकर यह कहते हुए प्रमाणपत्र देने से इंकार कर दिया कि फोटो में मनपा का कोई प्रतिनिधि मौजूद नहीं है। इस आधार पर कई छोटे ठेकेदारों की बोली मान्य ही नहीं मानी गई। विशेषज्ञों का कहना है कि शौचालयों की मरम्मत कार्य वस्तुतः पी.डब्ल्यू.डी. विभाग के अंतर्गत आते हैं, जबकि पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट द्वारा इस पर टेंडर निकाला जाना ही सवालों के घेरे में है। इसके अलावा, अलग-अलग कार्यों को जोड़कर क्लब टेंडर जारी करना भी तकनीकी रूप से उचित नहीं माना जाता।

गौरतलब है कि इस संदर्भ में 25 अगस्त को प्री-बिड मीटिंग आयोजित की गई थी। ठेकेदारों का आरोप है कि उस मीटिंग में उनकी आपत्तियों और सवालों को गंभीरता से नहीं सुना गया। परिणामस्वरूप, न्याय की मांग करते हुए मामला उच्च न्यायालय तक पहुँच गया है।अब सबकी निगाहें अदालत के फैसले पर टिकी हैं।

उल्हासनगर में भाजपा महिला मोर्चा का काँग्रेस विरोधी मोर्चा

बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल

उल्हासनगर (नि.स.)। उल्हासनगर में भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा द्वारा काँग्रेस पार्टी और राहुल गांधी के घृणास्पद वक्तव्यों के विरोध में शनिवार 13 सितंबर को नेहरू चौक पर मोर्चा निकाला गया और अपना जमकर विरोध दर्शाया गया। इस विरोध मोर्चा में बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं और कार्यकर्ताओं ने हाथों में झंडे और बैनर लेकर 'माँ का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान' के नारों के साथ कांग्रेस और राहुल गांधी के खिलाफ आक्रोश प्रकट किया।

इस अवसर पर भाजपा ज़िला अध्यक्ष राजेश वधरिया, महिला मोर्चा अध्यक्षा मंगला चांडा, जिला महासचिव विनोद गोवानी, अर्चना कर्णकाले, जिला उपाध्यक्ष होम नारायण वर्मा, पूर्व नगरसेवक राम चार्ली परवानी, जमनू पुरस्वानी, डॉक्टर एस.बी.सिंह, दीपक छतलानी, मंडल अध्यक्ष हरेश भाटिया समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ऑनलाइन निवेश के नाम पर कल्याण में बड़ा फर्जीवाड़ा

700 से अधिक निवेशकों से करोड़ों रुपये की लूट

कल्याण (अरविंद मिश्रा)। तेजी से बढ़ते ऑनलाइन निवेश कारोबार की आड़ में एक और बड़ा घोटाला सामने आया है। कल्याण शहर में 'ज्यू पीडिया' नामक कंपनी ने आकर्षक टास्क और लाखों रुपये कमाने का झांसा देकर लगभग 700 से 800 निवेशकों से करोड़ों रुपये से ठगने का मामला सामने आया है। ठगी का शिकार बने पीड़ितों ने सामूहिक रूप से कल्याण बाजारपेठ पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। इस भारी भरकम धोखाधड़ी की घटना से हड़कंप मच गया है।

सूत्रों के अनुसार, 'ज्यू पीड़िया' नामक कंपनी की सीईओ बताई जाने वाली महिला सुषमा पालकर और उसके सहयोगी 'लिली' तथा 'जैक' ऑनलाइन माध्यम से लोगों को निवेश के लिए प्रेरित करते थे। कंपनी ने निवेशकों को भरोसा दिलाने के लिए अलग-अलग टास्क, 9 स्तर का इनामी ढांचा और वर्चुअल वॉलेट की सुविधा दी थी। कुछ दिनों तक निवेशकों को मामूली रकम वापस मिलती रही, जिससे विश्वास कायम हुआ, लेकिन जब बड़ी रकम निकालने की बारी आई तो कंपनी ने बहानेबाजी शुरू कर दी। आखिरकार निवेशकों को समझ आया कि वे फर्जीवाड़े के शिकार हो गए हैं।

आरोप है कि निवेशकों द्वारा जवाब मांगे जाने पर कथित सीईओ ने अभद्र भाषा का इस्तेमाल भी किया। इस पर गुस्साए पीड़ितों ने सामूहिक रूप से पुलिस थाने पहुंचकर ठगी की शिकायत दर्ज कराई। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह प्रकरण एक बार फिर लोगों को आगाह करता है कि ऑनलाइन निवेश के नाम पर चल रहे लालचपूर्ण ऑफर से सतर्क रहना बेहद जरूरी है।

उमनपा चुनाव : पैनल 1 से युवासेना शहराध्यक्ष बाला श्रीखंडे ने दिखाई दमदार दावेदारी

उल्हासनगर (नि.स.)। आगामी उल्हासनगर महानगरपालिका चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, वैसे-वैसे राजनीतिक सरगर्मियां तेज़ होती जा रही हैं। इसी क्रम में शिवसेना और युवासेना से पिछले 15 वर्षों से अधिक समय से सक्रिय रूप से जुड़े तथा वर्तमान में युवासेना के उल्हासनगर शहर अध्यक्ष राजेंद्र (बाला) श्रीखंडे ने भी चुनावी रणक्षेत्र में अपनी दमदार दावेदारी पेश कर दी है।

पैनल क्र. 1 कमला नेहरू नगर, धोबीघाट क्षेत्र के मूल निवासी बाला श्रीखंडे लंबे समय से राजनीति के साथ-साथ समाजसेवा से भी गहराई से जुड़े हुए हैं। अपने क्षेत्र और पैनल में उनकी पकड़ बेहद मजबूत और जमीनी स्तर पर प्रभावशाली मानी जाती है। स्थानीय नागरिकों के बीच उनकी लोकप्रियता का कारण सिर्फ राजनीतिक सक्रियता ही नहीं बल्कि समय-समय पर किए गए जनहित कार्य और सामाजिक कैम्पों का आयोजन भी है।

शिवसेना सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे और अन्य वरिष्ठ नेताओं द्वारा जब-जब उन्हें कोई जिम्मेदारी सौंपी गई है, बाला श्रीखंडे ने उसे पूरी निष्ठा और लगन से निभाया है। चाहे पैनल की समस्याओं को उठाना हो, उनके समाधान के लिए अधिकारियों तक बात पहुंचाना हो, या फिर नागरिकों की सुविधा हेतु स्वास्थ्य शिविरों और अन्य सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन करना हो, बाला श्रीखंडे हमेशा आगे बढ़कर अपनी भूमिका निभाते रहे हैं।

वर्तमान राजनीति में युवा चेहरों को आगे बढ़ाने की मांग जनता के बीच लगातार बढ़ रही है। इसी के तहत बाला श्रीखंडे भी पैनल नं. 1 से शिवसेना के इच्छुक उम्मीदवार के रूप में सामने आए हैं। उनका कहना है कि वे हर तरह से चुनाव लड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है , अब केवल वरिष्ठों का आदेश चाहिए। उन्होंने कहा कि वे पैनल 1 से न केवल मैदान में उतरेंगे बल्कि जनता के आशीर्वाद और शिवसेना नेतृत्व के मार्गदर्शन से विजयी होकर भी लौटेंगे ।

अंबरनाथ में बारिश का कहर : बालकनी और निर्माण सामग्री गिरी, चार लोग घायल

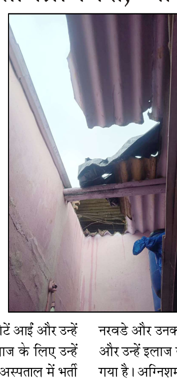

अंबरनाथ (नि.स.)। अंबरनाथ शहर में जारी भारी बारिश के कारण बालकनी और निर्माण सामग्री गिरने की दो अलग-अलग घटनाएँ हुईं। इन दोनों घटनाओं में दो महिला समेत चार लोग घायल हुए हैं और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार अंबरनाथ पश्चिम के उलनचाल इलाके में शुक्रवार शाम करीब 6.30 बजे नासिर शेख के घर की बालकनी गिर गई। इस हादसे में 40 वर्षीय आसिया खान और उनके पति घायल हो गए। आसिया खान के सिर में गंभीर चोटें आईं और उन्हें करीब दस टांके लगाने पड़े। इलाज के लिए उन्हें उल्हासनगर के सरकारी मध्यवर्ती अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही दमकल और नगर परिषद के अधिकारी मौके पर पहुंचे।

– निर्माण सामग्री गिरने से घर और व्यक्ति घायल

दूसरी घटना अंबरनाथ पश्चिम के मुरलीधर नगर स्थित कृष्ण मंदिर के पास हुई। यहाँ पटेल नाम के व्यक्ति का घर का निर्माण कार्य चल रहा था। भारी बारिश के कारण इस निर्माण कार्य की ग्रिड ईंटें और अन्य सामग्री निचले इलाके में स्थित राजेश नरवडे और चालवाडी के घरों पर गिर गईं। दोनों घरों को भारी नुकसान पहुँचा है। घर में मौजूद राजेश नरवडे और उनकी पत्नी को मामूली चोटें आई हैं और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अग्निशमन अधिकारी भागवत सोनवणे ने बताया कि दोनों घटनाओं की जाँच जारी है।

नवी मुंबई से मुंबई तक राशन कालाबाजार

अनाज की कालाबाजारी का बड़ा खुलासा

नवी मुंबई (सनी पांडेय)। ई-रीजन क्षेत्र में गरीब जनता के हक के राशन के अनाज की बड़े पैमाने पर कालाबाजारी किये जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है. आरोप है कि शिरीष कार्गो प्रा. लि. द्वारा सब-डिस्ट्रीब्यूटर रघु भाई के माध्यम से यह काला कारोबार चलाया जा रहा है, जिसमें मनोज गुप्ता और राजन सिंह के नेतृत्व में सक्रिय सिंडिकेट मुख्य भूमिका निभा रहा है।

■ कैसे चलता है रैकेट?

सूत्रों के अनुसार, सिंडिकेट द्वारा रेशनिंग दुकानों पर गेहूं और चावल उतारा जाता है. इसके बाद तय किया जाता है कि किस रेशनिंग माफिया को अनाज किस दाम पर दिया जाए. बाद में यही माफिया अनाज गाड़ियों में भरकर मिलों तक पहुँचाते हैं।

■ शामिल प्रमुख रेशनिंग माफिया

राकेश गुप्ता तेली, रवि मोरया, मोहित गुप्ता, गणपत, ज्वाला, सोनू भाई, रामरूप, शिवदास गुप्ता, रामदास गुप्ता, विनोद चक्की, राकेश तेलवाला और रमेश दिवाकर के नाम सामने आए हैं।

■ आर्थिक खेल

सब-डिस्ट्रीब्यूटर – 1 रू. प्रति किलो
राशनिंग दुकानदार – 1 रू. प्रति किलो
राशनिंग माफिया – 1 रू. प्रति किलो
मिल मालिक – 1 रू. प्रति किलो. इस तरह सिंडिकेट को राशन के अनाज पर 4 रूपये प्रति किलो का लाभ होता है।

■ मिलीभगत और संरक्षण

अनाज की सप्लाई के लिए रबाले एमआईडीसी स्थित शिवलाल तामाराम गहलोत की मिल और शाहपुर (ठाणे ग्रामीण) स्थित अग्रवाल की मिल का इस्तेमाल किया जा रहा है. सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि पूरे रैकेट में ई-रीजन रेशनिंग अधिकारी संतोष शिंदे (एआरओ) की कथित संलिप्तता सामने आई है. आरोप है कि उनके संरक्षण में यह कालाबाजारी चल रही है और इसी से उन्होंने करोड़ों की संपत्ति बनाई है।

■ धमकियाँ भी मिल रही हैं

सूत्र बताते हैं कि यह सिंडिकेट इतना मजबूत है कि विरोध करने वालों को धमकी दी जाती है। कहा जाता है कि उनका पैसा 'नीचे से ऊपर तक' पहुँचता है और जो भी रास्ते में आएगा, उसे झूठे केस में फँसाने की पूरी तैयारी है।

■ सरकार से सवाल

गरीब जनता के लिए उपलब्ध कराया गया अनाज खुलेआम लूटा जा रहा है. सवाल उठता है कि इसका जिम्मेदार कौन है और इन रेशनिंग माफियाओं पर कब तक कार्रवाई होगी? सूत्रों के अनुसार, इस पूरे मामले को आगामी विधान भवन सत्र में विधायकों द्वारा जोर-शोर से उठाया जाएगा।

एक दिन में 3 लोगो के साथ डेढ़ करोड़ की ठगी

नवी मुंबई (नि.स.)। पुलिस ने एक दिन में विभिन्न मामलों में तकरीबन डेढ़ करोड़ रुपये की सायबर ठगी का मामला दर्ज किया है. पुलिस के लिए हैरानी की बात यह है कि ठगी का शिकार बने लोग उच्च शिक्षित वर्ग के हैं।

पुलिस सूत्रों के अनुसार वाशी के रहने वाले 73 वर्षीय वृद्ध के साथ 1 करोड साढ़े 6 लाख रुपये की ठगी की गई है. ठगी कार शिकार हुए वृद्ध ने बताया कि उन्होंने फेसबुक पर एक विज्ञापन देखा जिसमें कई बड़े लोग अमीर कैसे हुए उसके बारे में जानकारी दी गयी थी. जब उन्होंने विज्ञापन की लिंक पर क्लिक किया तो उनसे उनकी जानकारी मांगी गयी, जो कि उन्होंने भर दी. बाद में उन्हें एक वाट्सएप्प ग्रुप में एड कर दिया गया. इस दौरान फॉरेक्स ट्रेडिंग के बहाने धीरे-धीरे लाखों रुपए ऐंठने के बाद विभिन्न चार्जेस के बहाने वृद्ध से ठगी की गयी. सायबर अपराधियों द्वारा इसी प्रकार टास्क-टास्क में एक छात्रा के साथ 40 लाख की ठगी की गई।

पैसा देने के लिए टीचर से ठगी

लोगों में ऑनलाइन शॉपिंग का चलन तेजी से बढ़ा है. इस बात को ध्यान में रखकर सायबर अपराधी लोगों की इस आदत का भी फायदा उठाकर उनके साथ ठगी कर रहे हैं. कुछ ऐसे ही एक मामले में मिशो नामक एक साईट से ऑनलाइन शॉपिंग करना खारघर की एक महिला को महंगा पड़ गया. ऑडर करते ही अज्ञात व्यक्ति ने पैसा वापस देने के बहाने महिला से 1 लाख 80 हजार रुपये की ठगी की. महिला ने अपने साथ हुई इस ठगी की शिकायत पुलिस की सायबर सेल से कर दी।

मादक पदार्थ निरोधक दस्ते का 7 ठिकानों पर छापा

अवैध विदेशी नागरिक गिरफ्तार, मकान मालिक पर भी मामला दर्ज

नवी मुंबई (नि.सं.)। नवी मुंबई पुलिस की मादक निरोधक दस्ते ने खारघर में 7 ठिकानों पर छापेमारी कर 3 लोगो पर कार्यवाई की है. पुलिस के मुताबिक पूरे नवी मुंबई और पनवेल इलाके में विदेशी नागरिको की तलाश का अभियान पुलिस ने छेड़ रखा है. इसी बीच नवी मुंबई पुलिस के मादक पदार्थ निरोधक दस्ते को कुछ विदेशी नागरिकों के अवैध तरीके से खारघर इलाके में रहने की जानकारी मिली थी. पुलिस ने 6 जगह पर छापेमारी की. इस दौरान 13 अफ्रीकन नागरिक मिले. इनमे से कुछ लोगो पर कोर्ट में मामले प्रलंबित होने के कारण उन्हें छोड़ दिया गया. जबकि 1 अफ्रीकन बिना पासपोर्ट और वीसा के भारत देश में अवैध तरिके से रहता हुआ मिला. जांच की तो पता चला अवैध तरीके से उसे घर दिया गया है. इसके अलावा एक और मामले में अवैध तरीके से घर किराए पर देने की बात सामने आई है।

संपादकीय

नेपाल में जेन-जी ने सत्ता को दिया सबसे बड़ा चैलेंज

भारत के पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश के बाद अब नेपाल में युवाओं का आक्रोश सड़कों पर दिखाई दे रहा है। आगजनी, तोड़फोड़ और हिंसा में कई लोगों की जान चली गई है। सरकारी संपत्तियों को भी बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा है। सरकार की ओर से सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने से सुलगी विरोध की इस चिंगारी से संसद तथा प्रधानमंत्री और राष्टपति के आवास भी अछूते नहीं रहे। प्रदर्शनकारियों की भीड़ को नियंत्रित करना सुरक्षा बलों के लिए इस समय बड़ी चुनौती है। हालात इस कदर बेकाबू हो गए कि प्रधानमंत्री को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा है। इससे पहले सरकार के कुछ मंत्री भी अपना पद छोड़ चुके हैं।सवाल यह है कि आखिर देश का युवा वर्ग इतना ज्यादा आक्रामक कैसे हो गया? शासन और स्थानीय प्रशासन युवाओं के गुस्से को समय रहते शांत करने में क्यों नाकाम रहा? क्या सरकार को इस बात का इल्म नहीं था कि हालात इस कदर बिगड़ सकते हैं या फिर इसका पूर्व आकलन करने में कहीं कोई चूक हुई है? दरअसल, नेपाल सरकार ने पिछले हफ्ते सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया था। सरकार का तर्क था कि देश में सोशल मीडिया मंचों से संबंधित कंपनियां पंजीकरण कराने की अनिवार्यता का पालन करने में विफल रही हैं। इसके बाद बड़ी संख्या में युवा सड़कों पर उतर आए और सरकार के इस फैसले का विरोध करने लगे। सोमवार को विरोध प्रदर्शन का दायरा व्यापक हो गया और काठमांडो में युवाओं की उग्र भीड़ ने जगह-जगह तोड़फोड़ शुरू कर दी। इस दौरान सुरक्षाबलों के साथ प्रदर्शनकारियों की हिंसक झड़पें हुईं, जिसमें कई लोगों की जान चली गई। इससे युवाओं का आक्रोश बढ़ गया और भीड़ संसद भवन परिसर में घुस गई। यहां तक कि प्रधानमंत्री और राष्टपति के आवासों को भी निशाना बनाया गया। हालात को देखते हुए सरकार ने सोमवार रात को ही सोशल मीडिया पर लगे प्रतिबंध को हटा लिया और मंगलवार को प्रधानमंत्री ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया। मगर प्रदर्शनकारी अभी भी शांत नहीं हुए हैं और वे सरकार को बर्खास्त करने की मांग कर रहे हैं।नेपाल के इतिहास में इसे बहुत बड़ी घटना के रूप में देखा जा रहा है। इससे पहले बांग्लादेश और श्रीलंका में भी इसी तरह जन आक्रोश ने सरकारों को अपदस्थ कर दिया था। इस बात पर भी गौर करना जरूरी है कि नेपाल में विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व 'जेन जी' कर रहा है। यह युवाओं का एक ऐसा समूह है, जो पिछले कुछ समय से भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान चला रहा है। इस समूह ने पिछले दिनों सोशल मीडिया के जरिए सरकार के मंत्रियों और अन्य प्रभावशाली हस्तियों के बच्चों की फिजूलखर्ची तथा उनकी जीवनशैली को लेकर गंभीर सवाल उठाए थे। दूसरी ओर, सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने के सरकार के फैसले को अभिव्यक्ति की आजादी पर पाबंदी के साथ-साथ भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज को दबाने के प्रयास के रूप में भी देखा जा रहा है। इसमें दोराय नहीं कि किसी भी देश में अभिव्यक्ति की आजादी हर हाल में होनी चाहिए, लेकिन क्या हिंसा, आगजनी और तोड़फोड़ ही इसका एकमात्र समाधान है? बहरहाल, उम्मीद की जानी चाहिए कि नेपाल की सरकार और युवा वर्ग देश एवं समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझेंगे और माहौल का शांत कर बातचीत की राह पर लौटेंगे।

नेपाल का पीएम कौन बनेगा इस बार पर गुरुवार को जेड जेन के कार्यकर्ता और प्रदर्शनकारी आपस में ही भिड़ गए थे और उनमें हिंसक झड़प भी हुई।

संपादक,टीकम लालवानी

हिमालय की गोद और गंगा-यमुना की सांस्कृतिक गाथाओं से जुड़ा यह देश सदियों से भारत के साथ साझा परंपराओं का सेतु रहा है। भगवान पशुपतिनाथ के आशीष से पवित्र यह भूमि और जनक-राम की विवाह-स्थली जनकपुर से लेकर बुद्ध के जन्मस्थल लुंबिनी तक की सांस्कृतिक यात्रा भारत-नेपाल की एकात्मता का अश्वर प्रमाण है। हर वर्ष आयोजित राम-जानकी विवाह महोत्सव, मकर संक्रांति मेले और कुम्भ-लुंबिनी संवाद जैसे पर्व इस एकात्मता को प्रत्यक्ष रूप से जीवित रखते हैं। ऐसे अस्थिर समय में भारत-नेपाल संबंधों का भविष्य केवल औपचारिक कूटनीति से तय नहीं होगा, बल्कि उन सांस्कृतिक स्तंभों की दृढ़ता पर टिका है, जिन्होंने सदियों से दोनों देशों की आत्माओं को एक सूत्र में पिरोया है। इन्हीं में सबसे प्रमुख है पावन गोरक्षपीठ (गोरखनाथ मठ, गोरखपुर), जो भगवान पशुपतिनाथ की पावन परंपरा के साथ मिलकर भारत और नेपाल की एकात्म सांस्कृतिक धारा का अमिट प्रतीक और विश्वास का जीवंत आधार है।

नेपाल का विद्रोह और भारत-नेपाल संबंधों में गोरक्षपीठ की भूमिका

(प्रणय विक्रम सिंह)

भगवान पशुपतिनाथ की कृपा-भूमि नेपाल इस समय विद्रोह की उफनती लहरों में डगमगा रहा है। जेन जेड आंदोलन ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वहां की जनता भ्रष्टाचार, असमानता और अवसरहीनता से ऊबकर निर्णायक प्रतिकार के मार्ग पर अग्रसर हो चुकी है। सोशल मीडिया पर लगाए गए प्रतिबंध ने इस असंतोष की चिंगारी को प्रचंड अग्निज्वाला में बदल दिया है। परंतु यह संकट केवल राजनीति या सत्ता तक सीमित नहीं है। यह नेपाल की सांस्कृतिक चेतना, धार्मिक आस्था और सामाजिक धड़कनों को भी झकझोर रहा है।

हिमालय की गोद और गंगा-यमुना की सांस्कृतिक गाथाओं से जुड़ा यह देश सदियों से भारत के साथ साझा परंपराओं का सेतु रहा है। भगवान पशुपतिनाथ के आशीष से पवित्र यह भूमि और जनक-राम की विवाह-स्थली जनकपुर से लेकर बुद्ध के जन्मस्थल लुंबिनी तक की सांस्कृतिक यात्रा भारत-नेपाल की एकात्मता का अश्वर प्रमाण है। हर वर्ष आयोजित राम-जानकी विवाह महोत्सव, मकर संक्रांति मेले और कुम्भ-लुंबिनी संवाद जैसे पर्व इस एकात्मता को प्रत्यक्ष रूप से जीवित रखते हैं। ऐसे अस्थिर समय में भारत-नेपाल संबंधों का भविष्य केवल औपचारिक कूटनीति से तय नहीं होगा, बल्कि उन सांस्कृतिक स्तंभों की दृढ़ता पर टिका है, जिन्होंने सदियों से दोनों देशों की आत्माओं को एक सूत्र में पिरोया है। इन्हीं में सबसे प्रमुख है पावन गोरक्षपीठ (गोरखनाथ मठ, गोरखपुर), जो भगवान पशुपतिनाथ की पावन परंपरा के साथ मिलकर भारत और नेपाल की एकात्म सांस्कृतिक धारा का अमिट प्रतीक और विश्वास का जीवंत आधार है।

गोरक्षपीठ और नेपाल -संस्कृति का संबल, आस्था का सेतु: नेपाल के इतिहास में गोरक्षपीठ की भूमिका केवल एक मठ की मर्यादा तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह सांस्कृतिक संबल और आध्यात्मिक सेतु के रूप में युगों-युगों तक गूंजती रही। हिमालय की गोद में जब 18वीं शताब्दी में गोरखनाथ की साधना का आलोक फैला, तब गोरखा राज्य को केवल नाम ही नहीं, बल्कि आत्मा भी मिली। पृथ्वी नारायण शाह ने जब नेपाल को एकसूत्र में पिरोया, तो उन्होंने गोरखनाथ को राष्ट्र-रक्षक माना। इस प्रकार गोरक्षनाथ परंपरा नेपाल की राजनीतिक चेतना की धड़कन बन गई।

20वीं शताब्दी में महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज और महंत अवेद्यनाथ जी महाराज ने इस परंपरा को नया प्राण और नया पथ दिया। पावन गोरक्षपीठ ने संतों को संगठित कर यह स्पष्ट किया कि भारत-नेपाल का संबंध न तो केवल सीमा का संबंध है और न ही केवल व्यापार का बंधन। यह तो आस्था की अटूट डोर और संस्कृति की सनातन संगीतमाला है।

1980-90 के दशक में जब नेपाल वामपंथी विचारधारा और राजनीतिक अस्थिरता की आंधी से जूझ रहा था, तब गोरक्षपीठ ने दीपक की तरह मार्ग दिखाया। महंत अवेद्यनाथ जी ने यह संदेश दिया कि भारतङ्कनेपाल का संबंध केवल सत्ता की संधियों पर नहीं, बल्कि सदियों की साधना और साझी संस्कृति पर टिका है।

आधुनिक युग में गोरक्षपीठ का ध्वज योगी आदित्यनाथ ने संभाला है। उनकी जनकपुरधाम यात्रा वैदिक वाणी का उद्घोष बनी, पशुपतिनाथ मंदिर की पूजा आस्था का आलोक बनी, और लुंबिनी की बुद्ध जयंती सहभागिता हिन्दू-बौद्ध संवाद का संगम बनी। आज गोरक्षपीठ केवल एक धार्मिक पीठ नहीं, बल्कि आधुनिक सांस्कृतिक कूटनीति का उज्ज्वल प्रतीक है।

गोरक्षपीठ ने नेपाल में कभी प्रत्यक्ष राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं किया, किंतु हर संकटकाल में यह दीपशिखा बनकर दिशा दिखाता रहा। यह वही शक्ति है जो सीमाओं से परे, सत्ता से ऊपर और संधियों से आगे जाकर भारत-नेपाल संबंधों को स्थायित्व और आत्मीयता देती है। यही कारण है कि नेपाल का जनमानस गोरक्षपीठ को केवल मठ नहीं मानता, बल्कि विश्वास का आधार, संस्कृति का संरक्षक और सनातन सेतु मानता है। एक ऐसा सेतु, जो हिमालय की चोटियों से लेकर गंगा-यमुना की धाराओं तक दोनों देशों की आत्माओं को एक सूत्र में बांधे रखता है।

मौजूदा विद्रोही परिस्थिति में गोरक्षपीठ की भूमिका: नेपाल की मौजूदा विद्रोही परिस्थितियां केवल सत्ता के संकट का परिणाम नहीं हैं, बल्कि समाज की गहरी बेचैनी, असमानता और अवसरहीनता का विस्फोट हैं। ऐसे समय में गोरक्षपीठ की भूमिका साधारण धार्मिक केंद्र तक सीमित नहीं रहती, बल्कि वह सांस्कृतिक मार्गदर्शक और सामाजिक सहारा बन सकती है। सबसे पहले, सांस्कृतिक स्मृति जगाना आवश्यक है। जनता को यह स्मरण कराना होगा कि राजनीतिक अस्थिरता अस्थायी है, लेकिन भारत-नेपाल की साझा परंपराएं शाश्वत हैं। हिमालय की गोद से लेकर गंगा की धारा तक बहती हुई यह सांस्कृतिक चेतना दोनों देशों की आत्माओं को जोड़े रखती है। जब युवाओं का आक्रोश व्यवस्था पर टूट पड़ता है, तब गोरक्षपीठ यह संदेश दे सकता है कि परिवर्तन केवल संघर्ष से नहीं, बल्कि परंपरा की जड़ों से जुड़कर ही स्थायी हो सकता है।

दूसरे, गोरक्षपीठ एक विश्वास का सेतु बन सकता है। आज जब राजनीतिक दल आपसी अविश्वास और आरोप-प्रत्यारोप में उलझे हैं, तब जनता को किसी ऐसे मंच की आवश्यकता है, जो न तो सत्ता की लालसा से प्रेरित हो और न ही दलगत स्वार्थ से। गोरक्षपीठ अपने संतत्व और निष्पक्षता के कारण ऐसा मंच बन सकता है, जो संवाद, सहयोग और भरोसे का प्रतीक बने। यह संस्था नेपाल की जनता को यह विश्वास दिला सकती है कि भारत केवल एक राजनीतिक ताकत नहीं, बल्कि एक आत्मीय पड़ोसी, सहयात्री और सांस्कृतिक सहोदर है।

तीसरे, धार्मिक पर्यटन और अर्थव्यवस्था की दृष्टि से गोरक्षपीठ का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकता है। यदि गोरखनाथ-पशुपतिनाथ-जनकपुर - लुंबिनी जैसी ध्रुवीय स्थलों को एक साझा सांस्कृतिक-धार्मिक यात्रा मार्ग के रूप में विकसित किया जाए, तो इससे न केवल नेपाल की डगमगाती अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा, बल्कि भारत-नेपाल के बीच जन-से-जन संपर्क और भी गहरा होगा। साल 2023 में ही नेपाल में 319,000 से अधिक भारतीय पर्यटक पहुंचे और 2024 की पहली छमाही में यह संख्या 1.8 लाख से अधिक रही। यह आंकड़े बताते हैं कि धार्मिक पर्यटन नेपाल की अर्थव्यवस्था की धड़कन है। पर्यटन से जुड़ी आय, रोजगार और सांस्कृतिक आयोजनों से जनता का मनोबल बढ़ेगा और अस्थिरता के बीच स्थिरता का अहसास होगा।

और सबसे महत्वपूर्ण यह कि गोरक्षपीठ की पहुंच केवल राजाओं, राजनेताओं या संतों तक ही सीमित नहीं रही है, बल्कि आमजन के मन में भी उसकी गहरी जड़ें हैं। नेपाल के गांव-गांव और तराई के कस्बों तक में गोरखनाथ का नाम श्रद्धा और विश्वास के साथ लिया जाता है। किसान इसे अपने परिश्रम का संरक्षक मानते हैं, व्यापारी इसे अपने सौदे की सफलता का आशीर्वाद समझते हैं, और युवा इसे संघर्ष और संकल्प का प्रतीक मानते हैं। यही कारण है कि गोरक्षपीठ की पुकार जनता के हृदय तक सीधे पहुंचती है और कठिन समय में आश्वस्ति का आधार बन जाती है। अंतरराष्टीय कथा वाचक आचार्य शांतनु जी महाराज पूरे विश्वास के साथ कहते हैं कि नेपाल की आत्मा केवल सत्ता या संविधान से नहीं, बल्कि गुरु परंपरा से जुड़ी है। गोरखनाथ की साधना और पशुपतिनाथ की कृपा ही वह धारा है, जो हर संकट में नेपाल समाज को संभालती रही है। जब राजनीति डगमगाती है, तब जनता गोरक्षपीठ की ओर आश्वस्ति से देखती है। क्योंकि वहां से संदेश सत्ता का नहीं, बल्कि संस्कृति का आता है।

भारत की कूटनीति में गोरक्षपीठ का महत्व: भारत-नेपाल संबंध अतीत में कई बार वामपंथी राजनीति, क्षेत्रीय राष्ट्रवाद और बाहरी दबावों से प्रभावित हुए हैं। कभी तेल और दाल-चावल की आपूर्ति रोकने का आरोप लगा, तो कभी चीन ने निवेश और कूटनीति के जरिए नेपाल की राजनीति में हस्तक्षेप बढ़ाया। ऐसे समय में गोरक्षपीठ एक ऐसा संदेश देता है, जो इन सब राजनीतिक उलझनों से ऊपर है। यह रिश्ता केवल सत्ता या आर्थिक गणित का नहीं, बल्कि संस्कृति, धर्म और आस्था का है। भारत की औपचारिक कूटनीति जब संधियों, समझौतों और वार्ताओं तक सीमित रहती है, तब गोरक्षपीठ सांस्कृतिक कूटनीति का जीवंत उदाहरण बनता है। यह वह शक्ति है, जो नेपाल की जनता के दिल तक पहुंचती है। पशुपतिनाथ की कृपा-भूमि में गोरक्षपीठ यह विश्वास जगाता है कि भारत-नेपाल का संबंध केवल पड़ोसी देशों का नहीं, बल्कि भाईचारे और साझी परंपराओं का है। यदि भारत अपनी राजनीतिक कूटनीति को गोरक्षपीठ की सांस्कृतिक शक्ति के साथ जोड़ता है, तो उसे वह गहराई और आत्मीयता प्राप्त होगी, जो चीन जैसे बाहरी शक्तियों के आर्थिक निवेश से संभव नहीं। हाल ही में भारत-नेपाल के बीच हुआ 10,000 मेगावॉट विद्युत व्यापार समझौता इस कूटनीतिक और आर्थिक साझेदारी की मिसाल है, किंतु गोरक्षपीठ इसे सांस्कृतिक आधार देकर स्थायी बना सकता है। गोरक्षपीठ नेपाल की जनता को यह अहसास दिला सकता है कि भारत केवल एक राजनीतिक शक्ति नहीं, बल्कि वह पड़ोसी है, जो संकट की घड़ी में सांस्कृतिक आत्मीयता और आध्यात्मिक विश्वास के साथ खड़ा है।

संक्षेप में, मौजूदा विद्रोह और अस्थिरता के बीच गोरक्षपीठ की भूमिका संवाद, स्मृति और स्थिरता की है।

यही भूमिका भारत-नेपाल संबंधों को राजनीतिक उतार-चढ़ाव से ऊपर उठाकर एक स्थायी, आत्मीय और सांस्कृतिक साझेदारी में बदल सकती है। अंतरराष्टीय मामलों के विशेषज्ञ डॉ. रहीस सिंह कहते हैं कि भारत-नेपाल संबंधों का आधार केवल व्यापार नहीं, बल्कि उन साझा संवृत्तियों की जीवंतता है, जिनकी जड़ें संस्कृति, सनातन आस्था और मानवीय संवेदनाओं में निहित हैं। गोरक्षपीठ इन भावनाओं का संस्थागत रूप है, जो दोनों देशों को स्थायी और आत्मीय बंधन में जोड़ती है। चीन अरबों डॉलर का निवेश कर सकता है, किंतु वह भावनात्मक मानवीय कनेक्ट नहीं दे सकता, जो भारत सदियों से नहीं बल्कि सहस्राब्दियों से देता आ रहा है।

मृत्यु के 13 दिन तक घर में क्यों भटकती है मृतक की आत्मा, जानें गरुड़ पुराण का सच

(अनन्या मिश्रा)

हिंदू धर्म में मृत्यु के बाद कई अहम संस्कार और अनुष्ठान किए जाते हैं। जिनका उद्देश्य न सिर्फ मृतक की आत्मा को शांति प्रदान करना होता है, बल्कि घर और परिवार में सकारात्मक ऊर्जा और समृद्धि को बनाए रखना होता है।

किसी भी प्रियजन को खोना जीवन का सबसे बुरा अनुभव होता है। यह क्षण न सिर्फ दुख से भरा होता है, बल्कि ऐसी स्थिति भी लाता है जहां पर कई परंपराएं निभाई जाती हैं। हिंदू धर्म में मृत्यु के बाद कई अहम संस्कार और अनुष्ठान किए जाते हैं। जिनका उद्देश्य न सिर्फ मृतक की आत्मा को शांति प्रदान करना होता है, बल्कि घर और परिवार में सकारात्मक ऊर्जा और समृद्धि को बनाए रखना होता है। इन्हीं में से एक प्रमुख संस्कार 'तेरहवीं' का है। जोकि मृत्यु के 13वें दिन संपन्न किया जाता है।

यह भी कहा जाता है मृत्यु के बाद आत्मा 13 दिनों तक अपने परिवार और घर के समीप रहती है। इसका अनुभव मृतक के परिजनों को भी होती है। यह धारणा सिर्फ मान्यताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उल्लेख गरुड़ पुराण जैसे आध्यात्मिक ग्रंथ में भी मिलता है। गरुड़ पुराण में मृत्यु के बाद यात्रा, कर्मों के प्रभाव और 13 दिनों तक इस संसार से जुड़े रहने की बात देखने को मिलती है।

क्या 13 दिनों तक घर में रहती है आत्मा: गरुड़ पुराण के मुताबिक जब किसी व्यक्ति की मृत्यु होती है, तो उसकी आत्मा फौरन ही मृत शरीर को छोड़ देती है। लेकिन आत्मा को पूर्ण मुक्ति पाने में 13 दिनों का समय लगता है।

माना जाता है कि मृत्यु के बाद 13 दिन आत्मा के लिए काफी अहम होते हैं। इस अवधि में आत्मा अपने प्रियजनों और परिवार के आसपास ही मौजूद रहती है। साथ ही परिजनों को अपनी उपस्थिति का भी एहसास कराती हैं। उनके दुख को देखती हैं और अपने कर्मों के प्रभाव को महसूस करती हैं। कई बार मृतक की आत्मा अपनी उपस्थिति दिखाकर अपनी किसी अपूर्ण इच्छा को पूरा करने की बात भी करती है।

गरुड़ पुराण के मुताबिक आत्मा मृत्यु के फौरन बाद भ्रमित होती है और यह समझने में असमर्थ रहती है कि उसने अपने शरीर का त्याग दिया है। आत्मा को अपने जीवन से अच्छे और बुरे कर्मों का आभास होता है और यह आत्मा परिवारजनों को रोते हुए देखती है।

इसी कारण शास्त्रों में मृत्यु के 13 दिनों तक विशेष कर्मकांड और शांति पाठ करने का विधान बताया गया है। इससे मृतक की आत्मा को शांति और मार्गदर्शन मिलता है। माना जाता है कि मृत्यु के फौरन बाद आत्मा अपने प्रियजनों का साथ नहीं छोड़ना चाहती है और सबके आसपास ही रहती है। इस वजह से आत्मा की मुक्ति के लिए अनुष्ठान किए जाते हैं और इन अनुष्ठानों से आत्मा को घर से विदा कर दिया जाता है। इससे वह परलोक में स्थान प्राप्त करता है और संसार की मोह माया दूर जाए।

बिन्दु मिलाओ और कलर करो...

वर्ग पहेली 5675

1	2	3	■	4	5	6	
7			■	■	8		■
9		■	10		■	■	11
	■	12		■	13	14	
15	16	■	17		■	18	
■	19	20		■	21	■	■
22			■	23		■	24
	■	25			■	26	

संकेत: बाएं से दाएं

1. आस्ट्रिया ओर इस देश ने अलग होने के बाद 1918 को चकोस्लोवाकिया स्वतंत्र हुआ (3)
4. 1930 को इस भारतीय फिल्म गीतकार ने जन्म लिया था जिन्होंने 300 से अधिक फिल्मों के लिए 1500 से अधिक गीत लिखे (4)
7. तुल्यता, बराबरी, तुलना (3)
8. दुर्व्यसन, बुरी आदत, चसका (2)
9. वाक्य का अपभ्रंश (2)
10. उच्छिच्ट, भुक्त शेष (2)
12. ऋषि, अवाचाल, मौनी (2)
13. राक्षस, पिशाच, समुद्री नमक (3)
15. यह विश्व कही सबसे लंबी नदी है जिसकी लंबाई 6650 कि.मी. है (2)
17. अगर, जो (2)
18. एक विलायती मदिरा (2)
19. बबूल के वृक्ष को यह भी कहते है (3)
22. छोरस्थ, नितांत अंतिम (3)
23. महाप्रबंधक(अंग्रेजी)(2)
25. लोभी, जिसे अधिक लोलुपता हो (3)
26. कला आदि सिखलाने वाला व्यक्ति (2)

ऊपर से नीचे

1. माता सरस्वती का एक नाम, शारदा (5)
2. रिक्त, खाली, अनभरा (2)
5. श्रीराम की सेवा का एक वानर (2)
6. कोटि, जाति का अपभ्रंश (2)
10. अधीनस्थ, आज्ञाहीन, मातहत (4)
11. मुलायम, मृदु, कोमल (3)
14. लय, स्वर (2)
16. रेखा, लाइन, लीक (3)
20. हमारे देश के प्रथम प्रधानमंत्री की पत्नी का यह नाम था, लक्ष्मी, लौकिकी अप्सराओं में एक अप्सरा का नाम (3)
21. एक छोटा पौधा जिसके बीज दवा और मसाले के काम आते है (2)
22. एक श्लोक का चतुर्थांश, ओहदा (2)
23. अभिनेता गोविंदा इस नाम से भी जाने जाते है (2)
24. दक्षिणी अमेरिका के प्रशांत तट पर स्थित देश जिसकी राजधानी लीमा है (2)

वर्ग पहेली 5674 का हल

अ	नु	रा	धा	पौ	ड	वा	ल
मृ	■	ह	र	ना	■	स	दा
ता	क	त	■	■	प	व	न
प्री	त	■	स	र	ह	द	■
त	र	■	मा	■	ल	त्ता	■
म	■	गा	धि	■	वा	■	व
■	भ	य	■	ज	न	म	त
सै	ला	ब	■	स्ता	■	घा	न

रास्ता खोजो...

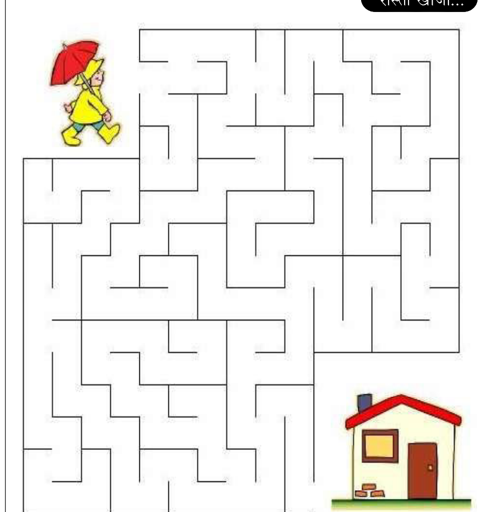

Reliance AUTHORISED DEALER
Konark Enterprises Pvt. Ltd.
Fully Computerised Weigh Bridge 50 TON
100% Quality & Quantity
Reliance Petrol Pump, Near Sai baba Mandir, Ambarnath

कोलंबिया की रिवर ऑफ फाइव कलर्स अपने रंगीन पानी से कर रही है लोगों को हैरान

कोलंबिया में बहने वाली एक सुंदर नदी है, जिसका नाम है कैनो क्रिस्टल्स। दूर से देखने में रंगों के पैलेट समान दिखने वाली इस इंद्रधनुषीय नदी की खूबसूरती के कारण इसे 'दैवीय बगीचा' कहकर भी पुकारा जाता है। कैनो क्रिस्टल्स नदी सिर्फ कोलंबिया ही नहीं बल्कि दुनिया भर के लोगों को अपनी अनोखी खासियत से हैरान कर देती है। दरअसल, इस नदी में पांच अलग-अलग रंगों का पानी बहता है। पीला, हरा, लाल, काला और नीला रंग। पचरंगी पानी की वजह से नदी को 'रिवर ऑफ फाइव कलर्स' के नाम से भी पुकारा जाता है। इसके अलावा इसे 'लिक्विड रेनबो' भी कहते हैं। इसकी खूबसूरती को सराहने का सबसे बेहतरीन समय जून से लेकर नवंबर तक का है। इस दौरान सैलानी कोलंबिया का रूख करते हैं और नदी के नजारे का लुत्फ उठाते हैं। नदी के बदल रहे पानी की असली वजह कोई जादू या चमक नहीं है। इसकी असली वजह नदी के बीच उगने वाले पौधे हैं। इस खास पौधे का नाम 'मैकेरेनिया क्लेविगरा' है। इस पौधे की वजह से ही पूरी नदी का पानी रंगीन लगता है। इसके पीछे का विज्ञान ये है कि पानी की तलहटी में मौजूद पौधे पर सूरज की रोशनी पड़ते ही पानी का रंग लाल हो जाता है। धीमी और तेज रोशनी के हिसाब से पौधे की अलग-अलग आभा पानी के रंग पर झलकती रहती है।

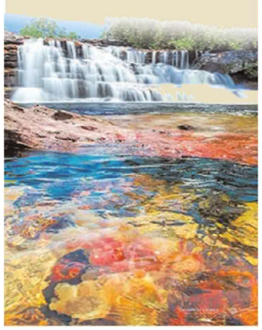

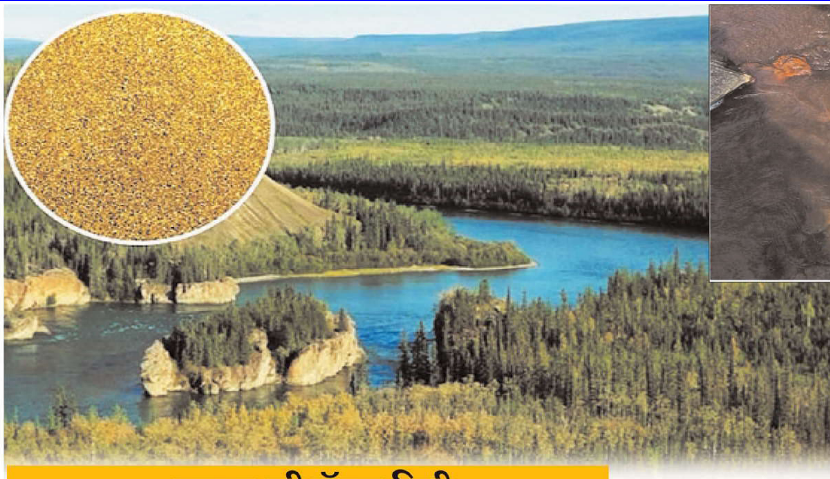

सैर कर दुनिया की गाफिल, जिंदगानी फिर कहां... जिंदगी गर कुछ रही तो ये जवानी फिर कहां... ख्वाजा मीर दर्द का ये शेर सैर-सपाटे की अहमियत हमें बताता है। मशहूर लेखक राहुल सांकृत्यायन ने तो बाकायदा अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा के नाम से लेख ही लिख डाला था। उनका कहना था कि मेरी समझ में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ वस्तु है घुमक्कड़ी। नई-नई जगहों के बारे में जानना और घूमना हमेशा ही एक अच्छा शौक माना गया है। कुछ लोगों के इसी शौक की वजह से हमें ऐसी जगहों की जानकारी भी मिल जाती है, जहां हरेक का जाना संभव नहीं है। तो चलिए आपको घुमा लाते हैं कनाडा की डॉसन सिटी।

कनाडा की डॉसन सिटी

जहां नदी में पानी के साथ-साथ बहता है सोना

कनाडा की डॉसन सिटी उन्हीं जगहों में से एक है जो करीब सौ सालों से घुमक्कड़ों को अपनी ओर खींच रही है। शायद इसलिए भी कि यहां अमीर होने का मौका मिल जाता है। अमीर बनने की बात सुनकर यकीनन आपके दिल में भी इस जगह के बारे में जानने की ख्वाहिश जगी होगी। जैसा कि हमने आपको बताया कि डॉसन सिटी कनाडा में दूरदराज का एक शहर है। इसकी आबादी बहुत कम है और ये क्लोह्यह्यनडाइक नदी के किनारे बसा है। कहा जाता है कि इस नदी की तलहटी में सोना बिछा पड़ा है। 1896 में जॉर्ज कार्मेक, डॉसन सिटी चार्ली और स्कूकम जिम मेसन ने सबसे पहले इस नदी में सोना होने की बात बताई थी। जैसे ही नदी में सोने की खबर फैली इस शहर में लोगों का, खास तौर से सोना खोजने वालों का रेला लग गया। 1898 में इस शहर की आबादी महज 1500 थी जो कि रातों रात बढ़ कर तीस हजार हो गई। आज यहां की आबादी में खान में काम करने वाले हैं, कुछ कलाकार हैं, और कुछ वो लोग हैं जो खुद को इस शहर का मूल नागरिक बताते हैं। डॉसन सिटी के मेयर वेन पोटोरका का कहना है कि इस शहर की हमेशा से ही एक अलग पहचान रही है। यहां तरह तरह के लोग रहते हैं जो इस इलाके की खूबसूरती में चार चांद लगाते हैं। इसे कनाडा के दीगर शहरों से हटकर एक अलग पहचान दिलाते हैं। डॉसन सिटी, ओगिल्वी पहाड़ों से घिरा हुआ है जो करीब दो हजार किलोमीटर तक फैला हुआ है। ये पहाड़ इस इलाके को खूंखार जंगली जानवरों से बचाता है। अगर आप क्लॉडिंग हाई-वे से जाना चाहते हैं तो व्हाइटहॉर्स से यहां तक पहुंचने में करीब सात घंटे का समय लगेगा। हाईवे की लंबाई करीब 533 किलोमीटर है। यूकॉन इलाका कनाडा का सबसे कम आबादी वाला इलाका है। इस इलाके की ज्यादातर आबादी वाइटहॉर्स में बसी है। वाइटहॉर्स

अलास्का, ब्रिटिश कोलंबिया और नॉर्थ वेस्ट के इलाकों से सटा हुआ है। डॉसन सिटी तक पहुंचने में आपको बहुत तरह के खूबसूरत कुदरती नजारे देखने को मिल सकते हैं। हर साल बड़ी तादाद में लोग डॉसन सिटी घूमने आते हैं। कुछ यहां कुदरत के खूबसूरत और दिलकश नजारे देखने आते हैं, तो कुछ यहां अमीर बनने की चाह में आते हैं। सोने की खोज करने वाले ये लोग मेहनत भी खूब करते हैं। सोने की खोज करने वाले ये लोग कई दशकों से इसी काम में लगे हैं। सोने की इस नदी के पास जमी रेत को बालटियों में इकट्ठा करते हैं, फिर उसे कई कई बार छानते हैं। नदी के पानी को छोटे-छोटे बर्तनों में रखकर जमाया जाता है। फिर इस बर्फ से सोने के टुकड़ों को अलग किया जाता है। सोने के ये टुकड़े कई शक्ल में होते हैं। ये मोतीनुमा भी हो सकते हैं, पतले छिलके के रूप में भी हो सकते हैं या फिर गुच्छे के आकार के भी हो सकते हैं। ये जरूरी नहीं कि सोने के ये टुकड़े हर बार ही मिल जाएं। बहुत मेहनत के बाद कुछ टुकड़े ही हाथ लग पाते हैं। सोना तलाशने के लिए यहां कोई रोक टोक नहीं है। कोई भी खुदाई करके यहां सोना तलाशने का काम कर सकता है। लेकिन फिर भी कुछ लोग यहां जमीन के टुकड़े खरीद लेते हैं, ताकि उस जगह से निकलने वाले सोने पर उनका ही हक रहे और कोई दूसरा वहां आकर खुदाई का काम ना कर सके। वो इस इलाके में मशीने भी लगा सकते हैं। हालांकि पिछली एक सदी से सोने के दामों में अक्सर ही उतार चढ़ाव देखने को मिलता रहा है।

आज की तारीख में चाय के एक चम्मच के बराबर का सोना 1300 डॉलर के हिसाब से बिकता है। डॉने मिशेल, डॉसन सिटी में साल 1977 में आई थीं। वो सोना निकालने का काम करती हैं। उन्हें हमेशा से ही अलग-अलग जगहों के बारे में जानने की उत्सुकता रही है। वो नई नई जगहों के बारे में जानकारी हासिल करने को एक खास तरह का इल्म मानती हैं। जब मिशेल को उनकी किसी परिचित ने इस जगह के बारे में बताया तो वो खुद को रोक नहीं पाई और पहुंच गईं सोना तलाशने। डॉने मिशेल आज यहां आने वाले सैलानियों को सोना निकालने का तरीका सिखाती हैं।

डॉने मिशेल यहां खदान मजदूरों के साथ केबिन में रहती हैं। पास के चश्मे के पानी से अपनी प्यास बुझाती हैं और उसी के पानी से खाना बनाती हैं। हालांकि डॉसन सिटी आने से पहले उन्हें सोना निकालने का कोई तजुर्बा नहीं था। लेकिन, यहां रहते हुए उन्होंने ये हुनर सीख लिया और अब दूसरों को भी सिखा रही हैं। मिशेल कहती हैं उनकी जिंदगी बहुत आराम से गुजर रही है। वो पास के शहर में हर रोज काम के लिए जाती हैं और छुट्टी के दिन मजे से सोना तलाशती हैं या फिर आस पास के पहाड़ों में कुदरती नजारों का लुत्फ उठाती हैं। हालांकि वो अपने दोस्तों और रिश्तेदारों से मीलों दूर रहती हैं, लेकिन कभी भी अपने घर की कमी का अहसास नहीं होता।

मिशेल को लगता है ये इलाका ही उनका घर है। मिशेल के मुताबिक एक इलाके की खुदाई पर खदान मजदूरों को काम करने की इजाजत तभी मिल पाती है जब उस इलाके का मालिक या तो मर जाता है या फिर वो अपनी खुशी से कुछ को काम करने की इजाजत देता है। यहां खदान मजदूर एक समुदाय की तरह से काम करते हैं। मिशेल को साल 1981 में पहली बार सोने की खदान में काम करने का मौका मिला था और तभी से वो इस समुदाय का हिस्सा बन गईं। साल 1984 में डॉसन सिटी में वुमेन्स वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ गोल्ड का आयोजन हुआ। इस प्रतियोगिता में मिशेल कामयाब हुईं।

कुछ सालों बाद यूकॉन ओपन गोल्ड पैनिंग का मुकाबला हुआ। इस मुकाबले में उनका सामना अपने ही साथियों लोगों से था। मिशेल उन सभी को खदान में काम करने के दिनों से जानती थीं। वो सभी अपने काम में माहिर थे। इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वालों में मिशेल ही एक अकेली महिला थीं जिन्हें तमाम मर्दों से लोहा लेना था। दिलचस्प बात ये थी कि वो इस मुकाबले में भी कामयाब रहीं और यूकॉन ओपन का खिताब जीतने वाली पहली महिला बनीं। कई सालों तक मिशेल इसी तरह की प्रतियोगिताओं में भाग लेती रहीं। बाद में वो कई महिला खदान मजदूरों की कोच बन गई हैं। फिलहाल वो जैक लंदन म्यूजियम में इंटरप्रेटर के तौर पर काम कर रही हैं। साथ ही अपने अनुभव भी लोगों से साझा करती हैं। डॉसन सिटी में सोने की खुदाई का काम हमेशा से ही बड़े पैमाने पर होता रहा है। आज भी यूकॉन की 196 माइनिंग साइट में से 124 सिर्फ डॉसन सिटी में हैं। बोनांजा क्रीक डिस्ट्रिक्ट जो गोल्ड रश की मूल साइट है, वहां आज भी सबसे ज्यादा खदाने हैं। मिशेल के मुताबिक यहां सोने की खुदाई का काम अभी लंबे समय तक चलेगा। लोग इसी तरह यहां आते रहेंगे। हो सकता है, आप यहां गर्मी का एक मौसम गुजारने के इरादे से आएं, लेकिन कोई हैरत नहीं होगी अगर आप यहां तमाम उम्र के लिए बस जाएं. क्योंकि इस जगह में कशिश ही कुछ ऐसी है।

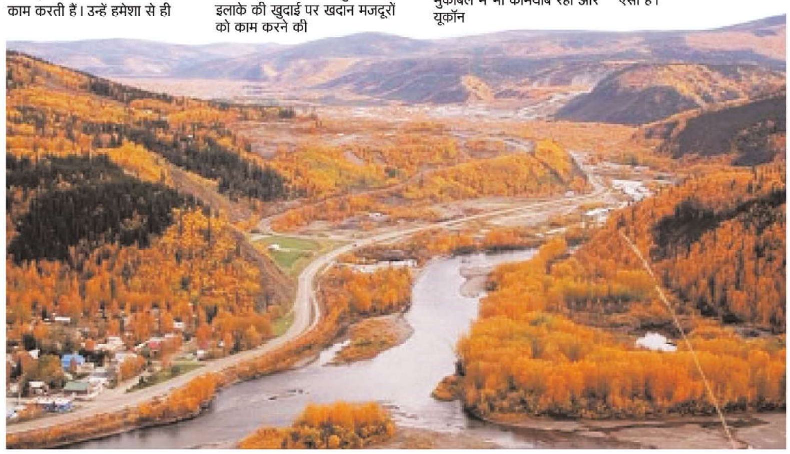

ये है दुनिया का सबसे बड़ा म्यूजियम, घूमने में लग जाते हैं कई दिन

दुनिया के सबसे बड़े म्युजियम के बारे में क्या आप जानते हैं? शायद ही जानते होंगे आप। हम आज आपको उसी म्युजियम के बारे में बताने जा रहे है।

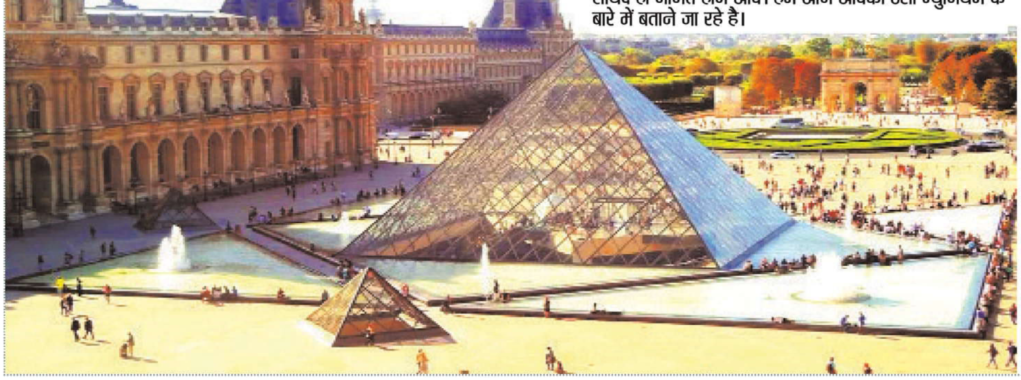

आप कभी न कभी म्यूजियम में घूमने तो गए ही होंगे। लेकिन क्या आपको पता है कि दुनिया में सबसे बड़ा म्यूजियम कहां पर है। अगर नहीं तो हम आपको बताते हैं। दुनिया का सबसे बड़ा म्यूजियम फ्रांस के पेरिस में है। इस म्यूजियम का नाम मुसी डू लौवर है। यह म्युजियम काफी पुराना भी है। इसी म्युजियम में मोनालिसा और वीनस डी मीलो की फेमस पेंटिंग रखी हुई है। यह म्युजियम इतना बड़ा है कि आप इसे एक दिन में नहीं देख पाएंगे। इसे घूमने के लिए कई दिन लग जाते हैं।

फ्रांस के पेरिस में है यह म्युजियम

इस म्युजियम को पूर्व शाही महल में 1793 में खोला गया था। उस वक्त इस म्युजियम में 537 ड्रॉइंग की एक एग्जिबिशन लगाई गई थी। यह म्युजियम 60600 स्कायर फीट में है और यह सबसे बड़ा होने के साथ-साथ सबसे ज्यादा देखे जाने वाला और सबसे अमीर म्युजियम है। इस म्युजियम को देखने के लिए साल 2022 में 90 लाख लोग पहुंचे थे। इसमें 8 क्यूरेटोरियल विभाग हैं। इनका नाम मिस्र के पुरावशेष, पूर्वी पुरावशेषों के पास, ग्रीक, इट्रस्केन, रोमन पुरावशेष, इस्लामी कला, मूर्तिकला और सजावटी कला। इनमें 3 लाख 80 हजार से ज्यादा पुरानी वस्तुएं रखी गई हैं। ज्यादातर पर इसमें प्राचीन मूर्तियां, एंटिक आर्ट, ड्राइंग, पेंटिंग्स और पुरातात्विक खोज में मिली वस्तुएं रखी गई हैं।

म्युजियम में 24 घंटे रहती है हाई सिक्योरिटी

इस म्युजियम की सुरक्षा के लिए हजारों सुरक्षाकर्मी हमेशा तैनात रहते हैं। इनके हाथों में आधुनिक हथियार होते हैं। कोई भी चोर इस म्युजियम से कुछ भी चुराने से पहले 10 बार सोचेगा।

राजस्थान में बढ़ी रात की ठंडक

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में मानसून की सक्रियता कम होने के बाद मौसम में बदलाव का दौर शुरू हो गया है। बारिश थमने के साथ ही अब रात के तापमान में तेजी से गिरावट दर्ज हो रही है। प्रदेश के कई हिस्सों में रातें ठंडी होने लगी हैं और तापमान सामान्य से नीचे पहुंच गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, आने वाले दिनों में प्रदेश के कुछ जिलों में हल्की बारिश भी देखने को मिल सकती है। फिलहाल दिन और रात के तापमान में बड़ा अंतर बना हुआ है। राजस्थान में इन दिनों सबसे ज्यादा ठंडी रात सिरोही जिले में दर्ज की जा रही है। यहां न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया है। बीते 24 घंटे में सिरोही का तापमान 18.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ, जो इस सीजन का सबसे कम है। इसके अलावा पाली में न्यूनतम तापमान 21.9, प्रतापगढ़ और उदयपुर में 21.6, भीलवाड़ा और टोंक में 22.6, अजमेर में 22.5 और जयपुर व अलवर में 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। प्रदेश में दिन के समय धूप खिली रही और अधिकांश जगहों पर तापमान सामान्य से ऊपर दर्ज हुआ। चूरू, बीकानेर, गंगानगर, पिलानी और अलवर में अधिकतम तापमान 35 से 37 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। श्रीगंगानगर में पारा 36.5 डिग्री तक पहुंचा। हालांकि, रात के समय ठंडी हवाओं के असर से तापमान तेजी से नीचे उतर रहा है। यह स्थिति खासतौर पर अरावली और दक्षिणी राजस्थान में देखने को मिल रही है। मौसम केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि प्रदेश में अगले तीन से चार दिन मौसम शुष्क रहने की संभावना है। इस दौरान दिन के तापमान में हल्का उतार-चढ़ाव हो सकता है, लेकिन रात का तापमान सामान्य से नीचे ही रहने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर से एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ और सिस्टम राजस्थान को प्रभावित करेगा। इसके चलते दक्षिण और दक्षिण-पूर्वी जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। 17 सितंबर से सक्रिय होने वाले सिस्टम का असर उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, सिरोही और बारां-कोटा बेल्ट पर सबसे ज्यादा रहेगा। इन जिलों में बूंदाबांदी से लेकर हल्की बारिश तक के आसार हैं। हालांकि, यह सिस्टम ज्यादा मजबूत नहीं है, इसलिए तेज बारिश की संभावना नहीं है। मौसम विभाग का कहना है कि 20 सितंबर तक प्रदेश के अन्य हिस्सों में मौसम शुष्क ही रहेगा।

एक्ट्रेस दिशा पाटनी के घर फायरिंग की जांच को पहुंची STF नोएडा, गोल्डी बराड़ गैंग के खंगाल रही तार

बरेली, एजेंसी। एक्ट्रेस दिशा पाटनी के यूपी के बरेली स्थित घर पर शुक्रवार को भोर में साढ़े तीन बजे गोल्डी बराड़ गैंग के गुर्गों ने फायरिंग कर दहशत फैला दी थी। इस कांड की जांच के लिए शनिवार को एसटीएफ की नोएडा यूनिट बरेली पहुंच गई है। दिशा के इस घर में उनके रिटायर्ड डीएसपी पिता जगदीश पाटनी और बहन रिटायर्ड मेजर खुशबू पाटनी रह रही हैं। शुक्रवार को हुई फायरिंग की गोल्डी बराड़ गैंग के रोहित गोदारा ने जिम्मेदारी ली थी। घटना के बाद से पूरे इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। मामला, गोल्डी बराड़ गैंग से जुड़ा होने के कारण यूपी पुलिस के अलावा अन्य एजेंसियां भी जांच में जुटी हैं। रोहित गोदारा ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर फायरिंग की जिम्मेदारी ली थी। पुलिस की टीमें पोस्ट में शामिल सभी बदमाशों के गैंग के बारे में जानकारी जुटा रही हैं। एसपी सिटी और एसपी क्राइम के नेतृत्व में हो रही जांच में सबसे पहले पोस्ट किए जाने की लोकेशन ट्रेस की जा रही है। फायरिंग की घटना के बाद बरेली के एसएसपी ने पांच टीमें लगाकर उन्हें अलग-अलग जिम्मेदारी दी है। इस केस की निगरानी वह खुद कर रहे हैं। वहीं सुरक्षा के मद्देनजर एक्ट्रेस दिशा पाटनी के घर पर पुलिस की तैनाती कर दी गई है। मामले में दिशा पाटनी के पिता जगदीश पाटनी ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

हमले के पीछे क्या है : बता दें कि दिशा पाटनी की बहन रिटायर्ड मेजर खुशबू पाटनी ने 29 जुलाई को संत प्रेमानंद और कथावाचक अनिरुद्धाचार्य के खिलाफ सोशल मीडिया पर महिला को लेकर की गई बयानबाजी के संबंध में टिप्पणी की थी। हालांकि बाद में उन्होंने पोस्ट डिलीट कर दी और मामला शांत हो गया था। फायरिंग की घटना के बाद कुख्यात अपराधी गोल्डी बराड़ गैंग के सदस्य रोहित गोदारा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर फायरिंग की जिम्मेदारी ली। उसने फेसबुक पर लिखा कि यह हमला दिशा पाटनी की बहन और आर्मी अधिकारी रही मेजर खुशबू द्वारा संत प्रेमानंद महाराज और अनिरुद्धाचार्य को लेकर की गई टिप्पणी का बदला है। इसके साथ ही उसने चेतावनी दी कि भविष्य में किसी ने भी धर्म या संतों के खिलाफ टिप्पणी की तो अंजाम भुगतने को तैयार रहे। हालांकि, गोदारा ने अपनी पोस्ट कुछ देर बाद ही सोशल मीडिया से डिलीट कर दी थी, लेकिन उसका स्क्रीनशॉट नोएडा में मीडिया को साझा किया गया।

रेकी के बाद वारदात, रूट में कहीं नहीं उलझे शूटर : इस वारदात को अंजाम देने के लिए शूटर्स ने पहले पूरी तरह से रेकी की है। सीसीटीवी से स्पष्ट हुआ है कि दिशा पाटनी के पिता रिटायर्ड डीएसपी जगदीश पाटनी के घर तक पहुंचने के लिए शूटर्स को मशक्कत नहीं करनी पड़ी और वारदात के बाद दूसरे रूट से वे आसानी से निकल भी गए। इसी वजह से कहा जा रहा है कि रेकी और रूट प्लान के बाद इस वारदात को अंजाम दिया गया। इसकी एक वजह रोहित गोदारा की पोस्ट भी है, जिसमें दिशा पाटनी के घर का नंबर तक लिखा गया है। पुलिस शूटर्स का रूट पता करने को पुलिस टोल प्लाजा के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक करा रही है।

राजस्थान के शूटर होने की जता रहे शंका : अभिनेत्री दिशा पाटनी के पिता रिटायर्ड डीएसपी जगदीश पाटनी के घर की गई फायरिंग में राजस्थान के शूटर होने की आशंका जताई जा रही है। इसकी वजह गोल्डी बराड़ गैंग के रोहित गोदारा नाम के फेसबुक अकाउंट की पोस्ट है, जिसे वीरेंद्र चारण व महेंद्र सारण (डेलाणा) को संबोधित करके लिखा गया है। एक दिन पहले भी हुई थी घटना दिशा पाटनी के रिटायर्ड डीएसपी पिता जगदीश पाटनी ने पुलिस को बताया कि गुरुवार सुबह करीब सवा चार बजे भी उनके घर के पास एक फायर हुआ था। सीसीटीवी फुटेज से पता चला कि एक बाइक पर हेलमेट लगाकर दो बदमाश आए और फायर करके चले गए। मगर उन्होंने इस पर ध्यान नहीं दिया और सुबह चर्चा होने पर इस बात की जानकारी हुई।

मगर लगातार दूसरे दिन फायरिंग होने पर उनका कहना है कि गुरुवार रात भी उसी गैंग के शूटर ने फायरिंग की। उन्होंने अपनी तहरीर में यह भी कहा है कि शुक्रवार तड़के कुत्तों के भौंगने की आवाज पर उठे तो गोल्डी बराड़ गैंग के शूटर्स ने उन पर फायरिंग कर जानलेवा हमला किया।

9 साल जेल में रखा, 9 करोड़ रुपए दो; हाईकोर्ट से बरी हुए शख्स ने मांगा हर्जाना

मुंबई, एजेंसी। मुंबई में 2006 के सीरियल ब्लास्ट मामले में बरी हुए एक शख्स ने उसे बिना वजह कैद में रखे जाने और हिरासत में मिली यातनाओं का हवाला देते हुए हर्जाने की मांग की है। अब्दुल वाहिद शेख नाम के शख्स ने कहा है कि उसे बिना गलती के 9 साल तक जेल में रखा गया और इसीलिए उसे 9 करोड़ रुपए मुआवजा दिया जाए। उसने शुक्रवार को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग और महाराष्ट्र राज्य मानवाधिकार आयोग में आवेदन दायर कर पुनर्वास के लिए भी मदद मांगी है। जानकारी के मुताबिक ब्लास्ट से जुड़े केस की जांच के दौरान वाहिद शेख को महाराष्ट्र एंटी-टेररिज्म स्क्वॉड ने गिरफ्तार किया था। हालांकि 9 साल जेल में रहने के बाद 2015 में विशेष अदालत ने उन्हें सभी आरोपों से बरी कर दिया। उनकी अर्जी में कहा गया कि जेल में बिताया गया यह समय उनके करियर, शिक्षा और निजी जिंदगी के लिए कभी ना भरने वाला नुकसान साबित हुआ। साथ ही हिरासत के दौरान उसे यातनाएं दी गई जिसकी वजह से उसे गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से भी जूझना पड़ा। शेख ने बताया कि वह फिलहाल एक स्कूल शिक्षक का काम कर रहे हैं और परिवार के इकलौते कमाने वाले सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि उनकी जिंदगी पर आतंकवादी कहे जाने का ठप्पा भी लगा है और इस वजह से बाहर आने के बाद नौकरी ढूंढना मुश्किल हो गया। उन्होंने आगे बताया कि जेल में रहने के दौरान उनके परिवार को सामाजिक, भावनात्मक और आर्थिक तकलीफें उठानी पड़ीं। इतना ही नहीं उन पर करीब 30 लाख रुपए का कर्ज भी हो गया।

दस साल तक इंतजार क्यों : अपनी याचिका में शेख ने कहा कि उन्होंने दस साल तक मुआवजे की मांग नहीं की क्योंकि उनके बाकी सह-आरोपी दोषी करार दिए गए थे। याचिका में शेख ने लिखा, मैंने इंतजार किया कि जब तक मेरे सभी सह-आरोपी बरी होकर निर्दोष साबित नहीं हो जाते, तब तक मैं मुआवजे की मांग नहीं करूंगा। शेख की अर्जी में ऐसे कई मामलों का भी हवाला दिया गया है, जिनमें मानवाधिकार आयोग ने गलत तरीके से कैद में रहे लोगों को मुआवजा दिया था।

180 से ज्यादा लोगों की हुई थी मौत : गौरतलब है कि 11 जुलाई 2006 को मुंबई की वेस्टर्न रेलवे की लोकल ट्रेन नेटवर्क पर हुए 7 धमाकों में 180 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। विशेष अदालत ने 2015 में जहां शेख को बरी कर दिया।

जयपुर की सड़को पर उतरे मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड

जयपुर, एजेंसी। जयपुर की सड़कों पर शुक्रवार की रात एक अनोखा नज़ारा देखने को मिला। जब लोग गहरी नींद में थे, तब कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ हेलमेट पहनकर निकल पड़े अपनी विधानसभा क्षेत्र की गलियों और सड़कों का जायजा लेने। रात 12 बजे शुरू हुआ यह दौरा तड़के 2:30 बजे तक चला। साथ थे जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) के वरिष्ठ अधिकारी। पांच जगह रुककर उन्होंने सड़क और ड्रेनेज व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया और मौके पर ही अधिकारियों को आदेश दिए। राठौड़ का अंदाज़ बिल्कुल अलग था। न मंच, न भाषण, न भीड़। बस रात की खामोशी में सड़क पर खड़े होकर उन्होंने कहा—यह दौरा दिखावे के लिए नहीं है। जनता को बेहतर सुविधा देना ही मकसद है। उन्होंने साफ किया कि दिन में निरीक्षण करने से ट्रैफिक और आम लोगों को परेशानी होती है। इसलिए उन्होंने आधी रात का रास्ता चुना। निरीक्षण के दौरान कर्नल ने अधिकारियों से सख्ती भी दिखाई और हौसला भी बढ़ाया। बोले—खामियां निकालना मेरा काम नहीं, मनोबल बढ़ाना है। लेकिन लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन जगहों पर तुरंत पैचवर्क या मरम्मत की जरूरत है, वहां काम बिना देरी शुरू किया जाए। मंत्री ने दावा किया कि बीते दो दशकों से जिन समस्याओं का हल नहीं हो पाया, वे अब बदलते हालात में सुलझ रही हैं। पहले बारिश होते ही सड़कें तालाब बन जाती थीं, अब नाम मात्र का पानी दिखता है। ये बदलाव इस बात का सबूत है कि सही दिशा में काम हुआ है।

रोहित और विराट की कमी नहीं खलेगी भारत बी टीम भी पाकिस्तानी को हरा देगी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान एशिया कप 2025 के अपने दूसरे ग्रुप चरण के मुकाबले में आमने सामने होंगे, जो 14 सितंबर को दुबई के दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में होगा। एशियाई दिग्गजों के बीच होने वाले हाई वोल्टेज मुकाबले से पहले पूर्व भारतीय क्रिकेटर अतुल वासन का मानना है कि एशिया कप 2025 में इंडिया बी टीम भी सलमान आगा की कप्तानी वाली पाकिस्तान टीम को हरा देंगी।

वासन भारत की एशिया कप 1990-91 विजेता टीम का हिस्सा थे। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें एशिया कप 2025 में बल्लेबाजी जोड़ी रोहित शर्मा और विराट कोहली की कमी महसूस नहीं होगी। रोहित और विराट भारत टी20 विश्व कप 2024 जीतने के बाद से टी20 से संन्यास ले चुके हैं।

अतुल वासन ने कहा, भारत की बी टीम भी इस पाकिस्तानी टीम को हरा देगी क्योंकि हालात बदल गए हैं। जब हम 90 के दशक में खेलते थे तब वे बहुत अच्छी टीम हुआ करते थे। अब स्थिति बदल गई है। मुझे रोहित शर्मा और विराट कोहली की कमी नहीं खलेगी क्योंकि फिर मुझे सुनील गावस्कर और कपिल देव की भी याद आने लगेगी। राजा मर गया, राजा अमर रहे। चीजें बदलती रहती हैं, नए सुपरस्टार आते हैं और यह धन-दौलत की शर्मिंदगी और मुझे चयनकर्ताओं पर तरस आता है क्योंकि सबको एक ही टीम में रखना पड़ता है क्योंकि किसे बाहर करना है और किसे चुनना है। भारत का पाकिस्तान के खिलाफ आखिरी मुकाबला आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में हुआ था, जहां विराट कोहली के नाबाद शतक की बदौलत रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम ने पाकिस्तान को एकतरफा मुकाबले में छह विकेट से हराया था। गौर है कि सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में यूएई के खिलाफ शानदार जीत के बाद पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से पहले आत्मविश्वास से भरी होगी।

'हम किसी भी टीम को हराने में सक्षम हैं', पाकिस्तानी कप्तान सलमान आगा की गीदड़ भभकी

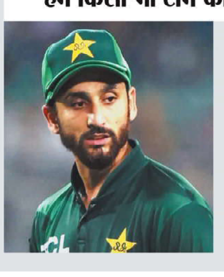

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के खिलाफ एशिया कप में भिड़ने से पहले पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा ने अप्रत्यक्ष रूप से भारत के लिए चेतावनी जारी करते हुए गीदड़ भभकी दे डाली। पाकिस्तान ने एशिया कप में अपना पहला मैच ओमान के खिलाफ खेला और उसे 93 रन से जीत मिली।

पाकिस्तान ने ओमान के खिलाफ पहले खेलते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 160 रन हनाए और इसके बाद कमजोर ओमान की टीम को सिर्फ 67 रन पर आउट कर दिया। इस मैच में जीत के बाद पाकिस्तान के कप्तान सलमान ने भारत के खिलाफ होने वाले मुकाबले में दबाव की बात को ज्यादा तवज्जो नहीं दिया और दावा किया कि उनकी टीम अच्छी फॉर्म में है और किसी को भी हराने में सक्षम है।

ओमान के खिलाफ मिली जीत के बाद सलमान आगा ने प्रजेंटेशन में कहा कि मुझे लगता है कि हम पिछले 2-3 महीनों से वाकई अच्छा क्रिकेट खेल रहे हैं। मैं यह बात बार-बार कह रहा हूं। हमने हाल ही में ट्राई सीरीज जीती है और यहां हमने (ओमान के खिलाफ) बहुत ही शानदार जीत हासिल की। हमें बस अच्छा क्रिकेट खेलने की जरूरत है और अगर हम अपनी रणनीति पर लंबे समय तक अमल करते हैं तो मुझे लगता है कि हम किसी भी टीम को हराने के लिए काफी अच्छी टीम हैं। इस मैच में पाकिस्तान के लिए 66 रन की पारी खेलने वाले मोहम्मद हारिस को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया और इस खिताब को जीतने के बाद हारिस ने कहा कि टीम मुझसे जिस तरह का डिमांड करेगी मैं वो करने की कोशिश करूंगा।

भारत-पाकिस्तान के बीच मुकाबला नहीं खेला जाना चाहिए: केदार जाधव

पुणे, एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी 17 सितंबर को अपना 75वां जन्मदिन मनाएंगे। इस मौके पर लोगों को स्वास्थ्य और पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली को लेकर जागरूक करने के लिए पुणे में पुणे ऑन पेडल्स और पुणे वॉकेथॉन का आयोजन हुआ, जिसमें पूर्व भारतीय क्रिकेटर केदार जाधव ने भी हिस्सा लिया। इस दौरान केदार जाधव ने 14 सितंबर को एशिया कप में खेले जाने वाले भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर प्रतिक्रिया दी। केदार जाधव ने पत्रकारों से कहा, मैंने पहले ही कहा था, मेरे हिसाब से भारत-पाकिस्तान के बीच यह मुकाबला नहीं खेला जाना चाहिए, लेकिन रविवार को मैच होने जा रहा है। कुछ दिनों पहले बातचीत में पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज अशोक डिंडा ने कहा था कि भारत को पाकिस्तान के साथ कोई संबंध नहीं रखना चाहिए। उन्होंने कहा, बतौर खिलाड़ी मैं जरूर चाहूंगा कि भारत-पाकिस्तान आपस में खेलें, लेकिन सबसे पहले मैं एक भारतीय हूं। पाकिस्तान बार-बार हमारे देश पर हमले कर रहा है। ऐसे में उसके साथ कोई संबंध नहीं रखना चाहिए, न ही खेल संबंध। पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह भी इस मुकाबले पर अपनी प्रतिक्रिया दे चुके हैं। भज्जी ने मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, भारत-पाकिस्तान के बीच मुकाबला हमेशा ही सुर्खियों में रहा, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के बाद सभी ने कहा कि क्रिकेट और व्यापार नहीं होना चाहिए। हमने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में पाकिस्तान के साथ नहीं खेला। मुझे लगता है कि जब तक दोनों देशों के बीच रिश्ते सुधर नहीं जाते, तब तक क्रिकेट और व्यापार नहीं होना चाहिए। सरकार कहती है कि मैच हो सकता है, तो होना चाहिए। भारत-पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर को आबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम में एशिया कप 2025 का छठा मैच खेला जाएगा। टीम इंडिया अपना शुरुआती मैच जीतकर ग्रुप-ए की प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष पर है। वहीं, पाकिस्तान की टीम अपने पहले मैच में ओमान को 93 रन से हराकर दूसरे स्थान पर मौजूद है।

स्टार खिलाड़ी ने रचा इतिहास, धमाकेदार पारी खेलकर इंग्लैंड के लिए बनाया सबसे तेज शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज फिल साल्ट ने किसी इंग्लिश खिलाड़ी द्वारा बनाया गया सबसे तेज टी 20 शतक जड़कर इतिहास रच दिया। उनका यह धमाकेदार शतक सिर्फ 39 गेंदों पर पूरा हुआ, जिससे उन्होंने 2021 में पाकिस्तान के खिलाफ लियाम लिविंगस्टोन द्वारा बनाए गए 42 गेंदों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। साल्ट की यह उपलब्धि उनके सलामी जोड़ीदार जोस बटलर के दमदार प्रदर्शन और चतुराई भरे शॉट चयन का एक अद्भुत संगम थी, जिसने दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों को शुरुआत में ही बैकफुट पर धकेल दिया। साल्ट ने शतक शानदार अंदाज में पूरा किया, जिसमें मिड-ऑन पर एक सटीक ड्राइव के साथ चौका फिर एक फ्री हिट पर एक रन और कैगिसो रबाडा की गेंद पर बेथेल के तेज दो रन से हासिल किया। साल्ट का यह शतक उन्हें वैश्विक मंच पर विशिष्ट खिलाड़ियों की श्रेणी में भी शामिल करता है। वह केवल 42 पारियों में चार टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाने वाले सबसे तेज खिलाड़ियों में से एक हैं। यह भारत के सूर्यकुमार यादव से काफी तेज है, जिन्होंने 57 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। कुल मिलाकर टी20 अंतरराष्ट्रीय शतकों की बात करें तो उनसे ज्यादा सिर्फ ग्लेन मैक्सवेल और रोहित शर्मा के नाम हैं, जिन्होंने पांच-पांच शतक लगाए हैं, जिससे साल्ट इस प्रारूप में खेल के शीर्ष बल्लेबाजों में से एक बन गए हैं। गौर है कि आईपीएल में आरसीबी के लिए खेलने वाले साल्ट ने 60 गेंदों पर 15 चौकों और 8 छक्कों की मदद से नाबाद 141 रन बनाए, जिससे इंग्लैंड ने 304/2 का स्कोर बनाया। यह किसी पूर्ण सदस्य देश द्वारा बनाया गया अब तक का सर्वोच्च टी20 स्कोर है।

सचिन तेंदुलकर बाल-बाल बचे!

प्लेन की अचानक की गई इमरजेंसी लैंडिंग, मास्टर ने शेयर किया भयावह अनुभव

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट के महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर हाल ही में केन्या के मासाई मारा के जंगलों में एक अजीब सी परिस्थिति में फंस गए। उनके विमान को एक भयंकर तूफान की वजह से इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। तेंदुलकर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो साझा कर इस घटना के बारे में बताया। उन्होंने इस वीडियो के कैप्शन में लिखा कि जंगल का अपना तरीका है स्वागत करने का, हमेशा! यह घटना हमें प्रकृति की अप्रत्याशित शक्ति की याद दिलाती है, जो मासाई मारा जैसे क्षेत्रों में काफी आम है।

सचिन तेंदुलकर ने खुद बयां की कहानी

सचिन तेंदुलकर ने वीडियो में बताया कि जब वे मासाई मारा के ऊपर से उड़ान भर रहे थे, तब उन्हें दूर से ही एक भयानक तूफान दिखाई दिया। खराब मौसम के कारण पायलट को दो बार लैंडिंग रद्द करनी पड़ी, जिससे विमान के अंदर एक तनावपूर्ण स्थिति बन गई थी। आखिरकार, रनवे साफ होने के बाद विमान को दूसरी तरफ उतारा गया। लेकिन, उनकी मुश्किलें यहीं खत्म नहीं हुईं। बारिश के कारण वे कुछ समय के लिए जंगल में ही फंस गए और उन्हें मदद आने का इंतजार करना पड़ा। इस पूरी स्थिति के बावजूद, सचिन के चेहरे पर मुस्कान थी और उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि अगर रात को नहीं आए, तो यहीं जंगल में... उनका यह शांत और सकारात्मक रवैया उनकी महानता को दर्शाता है।

घर में पूजास्थल बनाते समय किन-किन बातों का ध्यान रखें

1. अलग पूजा कक्ष बनवाएं- घर में यदि स्थान की कमी न हो, तो अलग से पूजा कक्ष का निर्माण करें। पूजा कक्ष के द्वार का मुख पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए। दम्पत्तियों के कक्ष में पूजा कक्ष नहीं बनाना चाहिए, ऐसा माना जाता है कि अगर आप शारीरिक सम्बंधों को घर के बाकी लोगों के समक्ष नहीं बनाते हैं तो ईश्वर के सामने भी ऐसा न करें। यही कारण है कि पूजा स्थलों में भी परिसर के अंदर सराय नहीं होते हैं।
2. रसोई के अंदर या ठीक विपरीत मंदिर न रखें:पूजा स्थल को कई लोग रसोई में बना लेते हैं, ऐसा न करें। न ही रसोई के ठीक विपरीत पूजा स्थल बनाएं। कई घरों में किचेन में ही डस्टबीन और बाकी का कूडा रखा रहने दिया जाता है, ऐसे में भगवान रखना सही नहीं होता है। साथ ही खाना बनाने के दौरान धुआं भी मंदिर तक पहुँचेगा।
3. मंदिर की स्थिति सबसे ज्यादा मायने रखती है-अगर आप दो मंजिला इमारत पर रहते हैं तो अपने पूजा कक्ष को इस प्रकार बनाएं कि ऊपरी मंजिल में उसके ऊपर बाथरूम या लैट्रिन न हों। मंदिर एक पवित्र स्थान होता है, इसका पूरा ख्याल रखें।
4. मंदिर में कभी ताला न लगाएं-कई लोग ऐसे मंदिर रखते हैं कि पूजा करने के बाद उसे लॉक कर दें। ऐसा कतई न करें। मंदिर, पूता के लिए होता है न कि भगवान को अंदर बंद रखने के लिए। मंदिर को खुला रहने दें, इससे घर व उस स्थान पर सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है।
5. मंदिर की नियमित सफाई करें- आप प्रतिदिन स्नान करते हैं तो मंदिर हर दिन क्यों साफनहीं कर सकते। घर के अन्य हिस्सों की तरह मंदिर की सफाई भी प्रतिदिन कीजिए। हर मूर्ति व तस्वीर को साफकरें, इससे आपको ही अच्छा महसूस होगा।
6. घर पर कितनी मूर्तियां रखें-मंदिर में सिर्फभगवान होते हैं वहां भौतिकवादिता की कोई जगह नहीं होती है। लेकिन घरों में हम पारिवारिक जीवन जीते हैं इसलिए बहुत ज्यादा मूर्ति या तस्वीरें रखने की आवश्यकता नहीं होती है। घर पर कुछ सीमित ही मूर्तियों व तस्वीरों को रखना चाहिए, जोकि निम्न प्रकार हैं।
7. लक्ष्मी, दुर्गा और सरस्वती:कई लोगों का मानना है कि तीनों की मूर्ति आप रख सकते हैं लेकिन कई बार, पुजारियों व विद्वानों के द्वारा इन तीनों देवियों की मूर्ति एक साथ रखने को मना किया जाता है। मानते हैं कि इससे घर में बुरा होता है और स्वास्थ्य पर बुरा असर पडता है। गणेश जी के साथ लक्ष्मी जी का पूजन, दीपावली पर होता है तो इस प्रकार लक्ष्मी जी हर घर में प्रवेश करती हैं। हां, गणेश जी की मूर्ति को आप घर में किसी भी स्थान पर आराम से रख सकते हैं।
8. दो शिवलिंग :घर के मंदिर में शिवलिंग रखना निषिद्ध होता है। कई लोग एक ही शिवलिंग रखना सही मानते हैं, जबकि कायदानुसार एक भी शिवलिंग को नहीं रखना चाहिए। शिवलिंग को सिर्फधार्मिक स्थलों पर ही रखना चाहिए।
9. मूर्तियां व चित्रों को लेकर नियम : घर में कभी भी कृष्ण या राधा / रूक्मिणी या मीरा की तस्वीर को नहीं लगाना चाहिए।

भगवान कार्तिकेय की उनकी दोनों पत्नियों वाल्ली और देवासेना के साथ भी कोई फोटो न लगाएं। गणेश भगवान की रिद्धि और सिद्ध के साथ भी मूर्ति या तस्वीर लगाना, शास्त्रों में मना किय गया है। माना जाता है इससे शादी में समस्या आती है।

10. मूर्तियों को क्रम से लगाएं:ब्रहमा, विष्णु और महेश की मूर्तियों को सही क्रम में लगाएं।

क्या कहते आपके सितारे

मेष आज का दिन आपके लिए सुखमय रहने वाला है। जीवनसाथी का आपको पूरा सहयोग मिलेगा और आप उनकी खूब केयर करेंगे। आप अपनी आय बढ़ाने के सोर्सो का कोई मौका हाथ से जाने नहीं देंगे, लेकिन निवेश आपको थोड़ा समझदारी से करना होगा। प्रॉपर्टी को लेकर कोई वाद विवाद चल रहा था, तो वह भी दूर होगा और फैसला आपके पक्ष में आ सकता है। परिवार में किसी सदस्य के विवाह प्रस्ताव पर मोहर लग सकती है।

वृषभ आज का दिन आपके लिए परोपकार के कार्यों से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा। कार्यक्षेत्र में यदि कोई वाद विवाद की स्थिति उत्पन्न होगी, तो आप उसे अपने विचारों से सामान्य बनाने में कामयाब रहेंगे। आपके साथी से रिश्ते भी बेहतर रहेंगे। आप शौक मौज की चीजों पर अच्छा खासा खर्चा करेंगे। आपको इधर-उधर की बातों में पड़ने से बचना होगा। आप अपनी मेहनत से एक अच्छा मुकाम हासिल करेंगे, जिससे आपको खुशी होगी।

मिथुन आज का दिन आपके लिए आनंदमय रहने वाला है। आप अपनी मेहनत से एक अच्छा मुकाम हासिल करेंगे। संतान को पढ़ाई-लिखाई के लिए आप कहीं बाहर भेज सकते हैं। विदेशों से व्यापार कर रहे लोगों की कोई बड़ी डील मिल सकती है, जिससे उन्हें अपने व्यापार में कुछ नए लोगों को शामिल भी करना पड़ सकता है। आपके काम की गति तेज रहेगी, लेकिन आलस्य के कारण आप कुछ कामों को कल पर टालने की कोशिश करेंगे।

कर्क आज का दिन आपके लिए उन्नति की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। परिवार में छोटे बच्चे आपसे किसी चीज की फरमाइश कर सकते हैं। आपको जीवनसाथी की सेहत को लेकर थोड़ा सा सतर्क रहना होगा। आपका कोई विरोधी आपको परेशान करने की कोशिश कर सकता है। आपको अपने पिताजी की कोई बात बुरी लगने से आपका मन परेशान रहेगा।

सिंह आज का दिन आपके लिए नुकसानदायक रहने वाला है। आपको कोई काम बहुत ही संभालकर करना होगा। दूसरों के मामले में बोलने से आपको कोई टेंशन मिल सकती है। आप मित्रों के साथ किसी पार्टी आदि को करने की योजना बना सकते हैं। ससुराल पक्ष का कोई व्यक्ति आपसे मेल मुलाकात करने आ सकता है। आपको किसी से किए हुए बातें को पूरा करना होगा और आप अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति पर अच्छा खासा धन व्यय करेंगे।

कन्या आज का दिन आपके लिए बेफिजूल के खर्चों पर रोक लगाने के लिए रहेगा। रोजगार को लेकर परेशान चल रहे किसी अच्छे अवसर को पाकर काफी खुश होंगे। परिवार में किसी नये मेहमान का आगमन हो सकता है, जो लोग किसी को पसंद करते हैं, वह उनसे अपने प्रेम का इजहार कर सकते हैं। आपकी वाणी की सौम्यता आपको मान सम्मान दिलवाएगी, लेकिन आपको किसी से मांगकर वाहन चलाने से बचना होगा।

तुला आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपके सहयोगी आपको कोई जिम्मेदारी दे सकते हैं। सरकारी नौकरी की तैयारी में लगे लोग किसी परीक्षा को देने जाएंगे। आपकी व्यवसाय में मन मुताबिक लाभ मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा, लेकिन आप अपनी आय और व्यय में संतुलन बनाकर चले, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। आपकी पद और प्रतिष्ठा बढ़ने से खुशी होगी। वाहनों का प्रयोग आप थोड़ा सावधान रहकर करें।

वृश्चिक आज का दिन व्यापार में वृद्धि लेकर आने वाला है। कारोबार में आपको पार्टनरशिप में कोई काम करने से बचना होगा। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है, जिसके बाद आप अपने घर किसी तरह का पूजा पाठ का आयोजन कर सकते हैं। आपको किसी अनुभवी व्यक्ति का सहयोग मिलेगा। आपकी सोच समझ से काम पूरे होंगे। आपको अपनी कामों को लेकर योजना बनाकर चलना होगा और आपकी आय बढ़ने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

धनु आज का दिन आपके लिए खर्चो से भरा रहने वाला है। सामाजिक कार्यों में आप बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे। आपको किसी काम की वजह से अचानक अपने कामों में बदलाव करना पड़ सकता है। जिससे आपका डेली रूटीन बिगड़ेगा। आपको यदि कोई दिल से संबंधित समस्या हो, तो उसको लेकर आप किसी अच्छे डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें। माता-पिता के आशीर्वाद से आपकी कोई प्रॉपर्टी को लेकर डील अटकी हुई थी, तो वह फाइनल हो सकती है।

मकर आज का दिन आपके लिए सफलता दिलाने वाला रहेगा। पारिवारिक जीवन में आपसी प्रेम और सहयोग आप पर बना रहेगा। भाई- बहनों से आपकी खूब पटेगी। जीवनसाथी के लिए आप कोई उपहार लेकर जा सकते हैं। आपके बिजनेस में धन को लेकर कोई काम रुका हुआ था, तो वह भी पूरा हो सकता है। आपको किसी की बातों पर भरोसा करने से बचना होगा और आपका कोई लंबे समय से रुका हुआ काम पूरा हो सकता है।

कुंभ आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आपकी सुख-सुविधाओं में वृद्धि होने से आपका मन काफी खुश रहेगा। आपके रहन-सहन के स्तर में भी सुधार आएगा। आप वैवाहिक जीवन में आप तालमेल बनाकर चलेंगे, जिससे आपकी साथी के साथ बॉन्डिंग अच्छी रहेगी। आपको यदि संतान के करियर को लेकर कोई टेंशन थी, तो वह भी दूर होते दिख रही है। आपको अपनी माताजी से कोई भी बात गुप्त नहीं रखनी है।

मीन आज का दिन आपके लिए कुछ नई चुनौतियां लेकर आएगा, लेकिन आपको उनसे घबराने की आवश्यकता नहीं है। आप अपने बिजनेस में किसी के साथ पार्टनरशिप ना करें और अपनी आंख और कान खुले रखकर कामों को करें। जीवनसाथी को नौकरी में यदि समस्या आ रही थी, तो वह भी दूर होगी। आप अपने पुराने कार्यों को भी उतारने की पूरी कोशिश करेंगे और सेहत में उतार-चढ़ाव लगा रहेगा, जिसमें आपको लापरवाही नहीं करनी है।

G. KACHHOMAL
ALL KINDS OF SWEETS & SNACKS
WE ALSO ACCEPT PARTY ORDERS
Raju K.Panjwani - 2531293, 3211365
Rakesh K. Panjwani - 9890359000
Shop No. 132, Opp. Mat Mandir, Ulhasnagar-5.

T.S.Chandwani
SHREE Rajaveer FOOD PRODUCTS
Specialist In :- Bread, Cake & Biscuits
Fact.: Amar Dye Rd., Near Shahad Cabin, Ulhasnagar-1. Tel. 2546079
Office : Baba Sai Nagar, Block A252/504, Ulhasnagar-4. Tel. 2527034

Hotel Ambrosia
Dayanand Shetty
2713001, 2712002, 2712003, 2564257
Opp. Vithalwadi Rly, Station (W), Ulhasnagar-421003.

Hotel VEEJAYS
Lodging and Boarding
24 Hours Room service available
Ulhasnagar Station Road, Burner Galli, Sukhdev Compound, Ulhasnagar-3
Tel. : 02512570009
Mob. : 07083880259

LIVE IN LAP OF LUXURY
RAMDEVI TOWER
MAHARERA- P51700076849
1BHK & 2BHK & COMMERCIAL SHOPS AVAILABLE
Contact:
7770003478
7770003479
Gmail: ramdevitower2024@gmail.com
SITE ADDRESS :
B. K No- 1150,
ROOM NO. 3,4,5,6
POWAI CHOWK,
ULHASNAGAR - 421003.
DIST- THANE

प्रकाशक, मुद्रक, मालिक संपादक श्री टीकम (टोनी) जे. लालवानी ने जय श्रीकृष्णा प्रिंटिंग प्रेस से छपवाकर मातोश्री मोहिनी बाई पैलेस, बैरक नंबर 427, रूम नंबर 15, निरंकारी हॉल के पीछे, उल्हासनगर-421001, जिला ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया।
RNI No. 68359/93,
(सभी प्रसंगों का न्याय क्षेत्र उल्हासनगर रहेगा)
दैनिक 'धनुषधारी' में छपने वाली विज्ञापनों की सत्यतता की जिम्मेदारी हमारी अखबार प्रबंधन की नही है। विज्ञापन में छपने वाले उत्पाद खरीदने, बेचने या किसी भी व्यवसाय या नौकरी लेने-या देने की जिम्मेदारी पाठक की खुद की रहेगी। -प्रबंधन।

Makhija Construction
25 YEARS Experience
BUILDING QUALITY TRUST
+ Email : makhijaconstruction@gmail.com, makhijaconstruction@hotmail.com
+ Hollywood Apartment, Shop No. 2 & 3, Opp., ICICI Bank, Near Chopra Court, Ulhasnagar-3 Ph.0251-2563555

एक क्यूआर कोड से मिलेगा ट्रेन, मेट्रो और बस टिकट

मुंबई (नि.स.)। डिजिटल भुगतान प्रणाली में क्रांति लाने वाले भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के प्रबंध निदेशक और सीईओ दिलीप अस्बे ने महाराष्ट्र के नागरिकों के जीवन और यात्रा को आसान बनाने के लिए दो आगामी पहलों की जानकारी दी है। इन दोनों पहलों से तकनीक का उपयोग करके ई-गवर्नेंस और शहरी गतिशीलता में महत्वपूर्ण बदलाव आने की उम्मीद है।

■ एक क्यूआर कोड के कई लाभ

पहली परियोजना सार्वजनिक परिवहन के लिए एक ही क्यूआर कोड का उपयोग करना है। यदि आप रोज़ाना यात्रा करते हैं और यात्रा के लिए बेस्ट बस, मेट्रो या लोकल ट्रेन का उपयोग करते हैं, तो आपको हर बार अलग टिकट या पास लेना पड़ता है। इससे यात्रियों को असुविधा होती है और उनका समय भी बर्बाद होता है। इससे बचने के लिए, एनपीसीआई एक क्यूआर कोड बना रहा है और इसका उपयोग करके सभी प्रकार की सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों के माध्यम से यात्रा के लिए एक ही टिकट जारी किया जा सकेगा। यानी आप केवल एक कोड स्कैन करके बस, मेट्रो और किसी भी अन्य सार्वजनिक परिवहन का उपयोग कर सकते हैं। इससे यात्रियों की यात्रा काफ़ी आसान हो जाएगी।

■ भुगतान प्रक्रिया को आसान बनाना

एक और महत्वपूर्ण परियोजना महाराष्ट्र सरकार की 'आपले सरकार' सेवा है। महाराष्ट्र सरकार ने व्हाट्सएप पर ही विभिन्न सरकारी सेवाएँ प्रदान करना शुरू कर दिया है। सरकारी दस्तावेज़ प्राप्त करने के लिए ऑनलाइन भुगतान की सुविधा को और आसान बनाया जा रहा है और इससे आप सरकारी कार्यालय जाए बिना ही अपने मोबाइल पर कुछ ज़रूरी प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकेंगे। उदाहरण के लिए, जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए अब आपको कार्यालय नहीं जाना पड़ेगा। आप व्हाट्सएप से ही इसके लिए आवेदन और भुगतान कर सकेंगे। इससे नागरिकों का समय और मेहनत दोनों बचेगी।

■ मुख्यमंत्री ने नागरिक-केंद्रित 'आपले सरकार 2.0' पोर्टल लागू करने के निर्देश दिए

राज्य सरकार ने नागरिकों को सरकारी सेवाओं और योजनाओं का लाभ आसान और सुविधाजनक तरीके से पहुँचाने के लिए एक और कदम आगे बढ़ाया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि राज्य सरकार तकनीक का उपयोग करके नागरिकों को योजनाओं और सेवाओं का लाभ यथासंभव सुविधाजनक तरीके से प्रदान करने का प्रयास कर रही है। सह्याद्री गेस्ट हाउस में समग्र संस्था के सहयोग से 'गवर्नेंस प्रोसेस री-इंजीनियरिंग' पर एक बैठक आयोजित की गई। सभी सरकारी सेवाओं और योजनाओं का लाभ 'आपले सरकार' पोर्टल के माध्यम से प्रदान किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री फडणवीस ने निर्देश दिया कि अन्य विभागों के पोर्टल या ऐप को भी इस पोर्टल पर एकीकृत किया जाना चाहिए।

■ 2 अक्टूबर तक चालू हो जाएगा पोर्टल

राज्य सरकार 'शासन' में सुधार करके नागरिकों के 'जीवन को सुगम बनाने' के लिए काम कर रही है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने निर्देश दिया कि नागरिक-केंद्रित 'आपले सरकार 2.0' पोर्टल को तकनीक-अनुकूल बनाया जाए ताकि सभी को कम समय में और बिना किसी परेशानी के योजनाओं और सरकारी सेवाओं का लाभ मिल सके और इसे 2 अक्टूबर तक लागू किया जाए।

सेवा का अधिकार गारंटी अधिनियम में अब से योजनाओं के लाभों को शामिल करने के निर्देश देते हुए, मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा, अभी हम केवल सेवा का अधिकार गारंटी अधिनियम में सेवाओं की गारंटी दे रहे हैं, लेकिन अब से पात्रता मानदंडों के आधार पर नागरिकों को योजनाओं का लाभ भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए। नागरिकों द्वारा आवेदन करने के बाद, उन्हें पूरी प्रक्रिया की जानकारी ऑनलाइन दी जानी चाहिए। आवेदक नागरिकों को उनके आवेदन की जानकारी हर चरण में प्रदान की जानी चाहिए। साथ ही, योजना का लाभ स्वीकृत होने या सेवा प्राप्त होने के बाद नागरिकों की प्रतिक्रिया पोर्टल पर ऑनलाइन दर्ज करने की सुविधा होनी चाहिए। उनकी शिकायतों का समाधान भी ऑनलाइन ही किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि आवेदन पत्र में कॉलम की संख्या और संलग्न दस्तावेजों की संख्या कम की जाए, जिससे योजनाओं और सेवाओं का लाभ कम समय में प्राप्त करना आसान हो सके।

■ व्हाट्सएप के माध्यम से भी सेवाएं प्रदान करने का प्रयास

राज्य सरकार व्हाट्सएप के माध्यम से सेवाएं प्रदान करने की दिशा में भी कदम उठा रही है। व्हाट्सएप के माध्यम से दी जाने वाली सरकारी सेवाओं की कनेक्टिविटी इस पोर्टल पर उपलब्ध कराई जानी चाहिए। इन सभी प्रयासों के माध्यम से, राज्य सरकार की भूमिका यह सुनिश्चित करना है कि नागरिकों को सरकारी योजनाओं का लाभ और सेवाएं सहज, सरल तरीके से और कम समय में प्राप्त हों। मुख्यमंत्री ने अपेक्षा व्यक्त की कि प्रत्येक विभाग इसके लिए समर्पित भाव से कार्य करे और इस प्रक्रिया को लागू करे।

महाराष्ट्र में जिला परिषद अध्यक्ष पदों के लिए आरक्षण की घोषणा

मुंबई (नि.स.)। महाराष्ट्र की 34 जिला परिषदों के अध्यक्ष पदों के लिए आरक्षण की सूची शुक्रवार को घोषित की गई। विभिन्न श्रेणियों के अनुसार तय किए गए इस आरक्षण का स्थानीय स्वशासन निकायों के शक्ति संतुलन पर बड़ा प्रभाव पड़ेगा। राज्य में आने वाले दिनों में स्थानीय निकाय के चुनाव होने हैं। ऐसे में यह आरक्षण महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आरक्षण की घोषणा से इच्छुक लोगों को बल मिलेगा। इसके अनुसार, वे अभी से मोर्चा बनाना शुरू कर देंगे। राज्य सरकार ने जीआर के माध्यम से किस जिला परिषद में किसे अध्यक्ष पद मिलेगा, इसकी सूची घोषित कर दी है। इसके अनुसार, ठाणे, पुणे, रायगढ़, सिंधुदुर्ग, नासिक, जलगाँव, छत्रपति संभाजीनगर, बुलढाणा, यवतमाल और नागपुर जिला परिषदों के अध्यक्ष पदों के लिए सामान्य वर्ग को खुला रखा गया है। इसलिए, इन जिला परिषद से अध्यक्ष पद के लिए सामान्य वर्ग का उम्मीदवार ही दावेदार होगा।

हालांकि, ठाणे, सांगली, कोल्हापुर, लातूर, अमरावती, गोंदिया, गढ़चिरौली जिलों में सामान्य (महिला) आरक्षण लागू किया गया है। इसलिए, इन जिला परिषदों में महिलाओं का शासन देखा जाएगा। अनुसूचित जातियों के लिए, बीड (महिला), हिंगोली, परभणी, वर्धा और चंद्रपुर (महिला) पद आरक्षित किए गए हैं। एक अनुसूचित जाति की महिला को इस जिला परिषद के अध्यक्ष के रूप में इस पद को धारण करने का सम्मान प्राप्त होगा। अनुसूचित जनजातियों के लिए, पालघर, नंदुरबार, अहिल्यानगर महिलाओं के लिए आरक्षित होंगे। अकोला (महिला) और वाशिम (महिला) जिलों में अध्यक्ष पद भी आरक्षित किए गए हैं। इसलिए, इन जिला परिषदों में महिलाओं का शासन देखा जाएगा। इसलिए, ओबीसी समुदाय की महिलाएं जिला परिषद अध्यक्ष पद पर आसीन हो सकेंगी। जबकि नागपुर और भंडारा में जिला परिषद अध्यक्ष का पद ओबीसी वर्ग से होगा। यहां पुरुष उम्मीदवारों को अध्यक्ष बनने का अवसर मिला है। इस आरक्षण की घोषणा आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में राजनीतिक गणित में एक महत्वपूर्ण बदलाव लाएगी। पार्टी स्तर पर उम्मीदवारों का फैसला करते समय इस आरक्षण पर विचार करना होगा। महिला आरक्षण के कारण कई जिलों में नए नेतृत्व को अवसर मिलेगा। कई जिलों में जिला परिषद अध्यक्ष का पद महिलाओं को दिया जाएगा। इसलिए, यह निश्चित है कि जिला राजनीति में महिलाओं का वर्चस्व बढ़ेगा।

राज्य की 34 जिला परिषदों में अध्यक्ष पद के लिए आरक्षण सूची इस प्रकार है- 1) ठाणे- सामान्य (महिला), 2) पालघर- अनुसूचित जनजाति, 3) रायगढ़- सामान्य, 4) रत्नागिरी- पिछड़ी श्रेणी के नागरिक (महिला), 5) सिंधुदुर्ग- सामान्य, 6) नासिक- सामान्य, 7) धुले- पिछड़ी श्रेणी के नागरिक (महिला), 8) नंदुरबार- अनुसूचित जनजाति, 9) जलगाँव- सामान्य, 10) अहिल्यानगर- अनुसूचित जनजाति (महिला), 11) पुणे- सामान्य, 12) सतारा- पिछड़ी श्रेणी के नागरिक (महिला), 13) सांगली- सामान्य (महिला), 14) सोलापुर- पिछड़ी जाति के नागरिक, 15) कोल्हापुर- सामान्य (महिला), 16) छत्रपति संभाजीनगर- सामान्य, 17) जालना- पिछड़ी जाति के नागरिक (महिला), 18) बीड- अनुसूचित जाति (महिला), 19) हिंगोली- अनुसूचित जाति, 20) नांदेड़- पिछड़ी जाति के नागरिक, 21) धाराशिव- पिछड़ी जाति के नागरिक (महिला), 22) लातूर- सामान्य (महिला), 23) अमरावती- सामान्य (महिला), 24) अकोला- अनुसूचित जनजाति (महिला), 25) परभणी- अनुसूचित जाति, 26) वाशिम- अनुसूचित जनजाति (महिला), 27) बुलढाणा - सामान्य, 28) यवतमाल- सामान्य, 29) नागपुर- पिछड़े वर्ग के नागरिक, 30) वर्धा- अनुसूचित जाति, 31) भंडारा- पिछड़े वर्ग के नागरिक, 32) गोंदिया- सामान्य (महिला), 33) चंद्रपुर- अनुसूचित जाति (महिला), 34) गढ़चिरौली- सामान्य (महिला)।

मुंबई में प्रभाग संरचना के मसौदे पर प्राप्त आपत्तियों और सुझावों पर सुनवाई पूरी हुई

मुंबई (नि.स.)। मुंबई महानगरपालिका आम चुनाव 2025 की ड्राफ्ट प्रभाग संरचना पर आपत्तियों और सुझावों पर सुनवाई प्रक्रिया पूरी हो गई है। महानगरपालिका प्रशासन ने बताया है कि पिछले तीन दिनों से चल रही सुनवाई प्रक्रिया शुक्रवार को पूरी हो गई। यह सुनवाई महानगरपालिका आयुक्त एवं प्रशासक भूषण गगरानी, विशेष चुनाव अधिकारी विजय बालमवार और अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में हुई। तीसरे और अंतिम दिन 28 आपत्तियों और सुझावों पर सुनवाई हुई। मुंबई में मंत्रालय के सामने यशवंतराव चव्हाण केंद्र में तीन दिवसीय सुनवाई के लिए महाराष्ट्र सरकार द्वारा नियुक्त प्राधिकृत अधिकारी के रूप में राज्य के गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव इकबाल सिंह चहल मौजूद थे।

मुंबई महानगरपालिका आम चुनाव के लिए विभिन्न चरण तय किए गए हैं। इसके तहत ड्राफ्ट प्रभागों की भौगोलिक सीमाओं के प्रकाशन के लिए 22 अगस्त 2025 को अधिसूचना जारी की गई थी। इसमें कुल 494 आपत्तियां प्राप्त हुईं। आपत्तियां और सुझाव शुक्रवार 22 अगस्त से गुरुवार 4 सितंबर तक आमंत्रित किए गए थे। इस प्रारूप संरचना के संबंध में प्राप्त सुझावों और आपत्तियों पर 10 सितंबर से 12 सितंबर तक तीन दिनों की अवधि में सुनवाई की गई। सुनवाई के पहले दिन, यानी 10 सितंबर को 189 सुझावों और आपत्तियों पर सुनवाई की गई। उसके बाद, गुरुवार 11 सितंबर को 277 आपत्तियों पर सुनवाई हुई और शुक्रवार को 28 सुझावों और आपत्तियों पर सुनवाई हुई। मनपा प्रशासन ने बताया कि तीन दिवसीय सुनवाई के दौरान कुल 494 आपत्तियों और सुझावों पर सुनवाई प्रक्रिया पूरी हुई।

महाराष्ट्र में महिलाओं को हिंसा से बचाने और परामर्श देने के लिए 'वन स्टॉप सेंटर' शुरू

मुंबई (नि.स.)। महाराष्ट्र में महिला एवं बाल विकास विभाग महिलाओं के समग्र विकास के लिए विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन कर रहा है। महिलाओं को सुरक्षा, वित्तीय स्थिरता, मनोवैज्ञानिक सहायता और कानूनी सहायता प्रदान की जा रही है। महिलाओं के विरुद्ध सभी प्रकार की हिंसा के विरुद्ध तत्काल सहायता प्रदान करने के लिए राज्य भर में 'वन स्टॉप सेंटर' कार्यरत है। बताया जा रहा है कि वर्तमान में राज्य के 36 जिलों में 55 केंद्र कार्यरत हैं। इन केंद्रों के माध्यम से शारीरिक एवं मानसिक शोषण, वित्तीय उत्पीड़न, सामाजिक उपेक्षा से पीड़ित महिलाओं को एक ही छत के नीचे कानूनी सलाह, चिकित्सा सहायता, पुलिस सहायता, मनोचिकित्सा एवं परामर्श, अस्थायी आश्रय और पुनर्वास हेतु शासकीय योजनाओं का लाभ प्रदान किया जाता है।

पीड़ित महिलाओं को अधिकतम पाँच दिनों के लिए अस्थायी आवास भी प्रदान किया जाता है। इस योजना के अंतर्गत हिंसा पीड़ित के आवास निर्माण, कर्मचारी पारिश्रमिक, बीमा और आकस्मिक व्यय के लिए केंद्र सरकार से 100 प्रतिशत अनुदान उपलब्ध है। ठाणे, नासिक, पुणे, सतारा, नांदेड़, अकोला, अमरावती, नागपुर, जलगाँव, चंद्रपुर, यवतमाल और अहिल्यानगर में नए केंद्र शुरू किए गए हैं। शेष 14 जिलों में केंद्रों के निर्माण की प्रक्रिया चल रही है और वर्तमान में जिला कलेक्टर द्वारा उपलब्ध कराए गए स्थान पर सेवाएँ प्रदान की जा रही हैं।

अबतक 7,063 महिलाओं को दिया जा चुका है सहायता और परामर्श

जनवरी 2025 से अब तक राज्य में 'वन स्टॉप सेंटर' के माध्यम से 7,063 महिलाओं को सहायता और परामर्श दिया जा चुका है। इसमें घरेलू हिंसा, संपत्ति विवाद, यौन उत्पीड़न, लैंगिक भेदभाव, साइबर अपराध और अन्य मामले शामिल हैं, और प्रभावित महिलाओं को नया जीवन जीने के लिए मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करने का कार्य इन केंद्रों के माध्यम से किया जा रहा है।

ऐतिहासिक एलफिंस्टन ब्रिज बंद

नए यातायात मार्ग की घोषणा

मुंबई (नि.स.)। दक्षिण मुंबई और दक्षिण मध्य मुंबई में परेल और प्रभादेवी को जोड़ने वाले एलफिंस्टन ब्रिज, जिसे प्रभादेवी ब्रिज के नाम से भी जाना जाता है, पर यातायात शुक्रवार 12 सितंबर की आधी रात से पूरी तरह से बंद कर दिया गया। अब मुंबई महानगर विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) इस पुल को ध्वस्त कर देगा। बाद में, एमएमआरडीए इस स्थान पर एक नया एलफिंस्टन फ्लाईओवर और शिवरी-वर्ली एलिवेटेड कनेक्टर फ्लाईओवर का निर्माण करेगा। परियोजना पूरी होने तक एलफिंस्टन ब्रिज यातायात के लिए बंद रहेगा। नागरिकों से वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने का आग्रह किया गया है। मुंबई यातायात पुलिस विभाग ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर एलफिंस्टन ब्रिज के बंद होने के बाद यातायात के लिए उपयोग किए जाने वाले वैकल्पिक मार्गों की जानकारी दी है। साथ ही नागरिकों से सहयोग करने की अपील की गई है। एल्फिंस्टन ब्रिज के बंद होने के बाद यातायात के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले वैकल्पिक मार्गों की जानकारी इस प्रकार है-

- दादर पूर्व से पश्चिम- तिलक ब्रिज
- परेल पूर्व से प्रभादेवी-करी रोड ब्रिज
- परेल/भायखला पूर्व से प्रभादेवी- चिंचपोकली ब्रिज

स्थानीय लोगों के लिए सरकार ने लिया अहम फैसला

म्हाडा एल्फिंस्टन ब्रिज से प्रभावित लोगों को घर मुहैया कराएगी। इस फैसले से दो इमारतों में 83 परियोजना प्रभावित परिवारों को फायदा होगा। बताया गया है कि प्रभादेवी में म्हाडा की इमारतों में परियोजना प्रभावित परिवारों को 405 वर्ग फुट के घर उपलब्ध कराए जाएंगे।

मंत्रालय में प्रवेश के लिए आगंतुकों के 3500 डीजी कार्ड गायब, गृह विभाग ने दी चेतावनी

मुंबई (नि.स.)। मुंबई स्थित मंत्रालय से राज्य सरकार का कारोबार चलता है। राज्य के शहरी क्षेत्र से लेकर ग्रामीण इलाकों से हज़ारों लोग रोज़ाना अपने काम से मंत्रालय आते हैं। इससे मंत्रालय में भारी भीड़ जमा हो जाती है। परिणामस्वरूप सुरक्षा व्यवस्था पर काफ़ी दबाव रहता है। मंत्रालय में भीड़ कम करने और घंटों कतारों में खड़े लोगों के विकल्प के तौर पर, राज्य सरकार ने कुछ महीने पहले 'डीजी प्रवेश ऐप' व्यवस्था शुरू की है। इस ऐप पर पंजीकरण करने के बाद, आपको डीजी ऐप प्रवेश कार्ड (आरएफआईडी) दिया जाता है। इसके बाद आपको मंत्रालय में प्रवेश मिलता है। आगंतुकों के लिए दोबारा बाहर आते समय यह कार्ड वापस करना अनिवार्य है, लेकिन चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है कि कुछ आगंतुकों ने यह कार्ड खो दिया है।

मालूम हो कि मंत्रालय के अधिकारियों, मंत्रियों के सचिवों, निजी सहायकों और कर्मचारियों के लिए फेस रीडिंग सिस्टम (एफआरएस) शुरू किया गया है। वहीं आगंतुकों को मंत्रालय में प्रवेश करने के लिए डीजी प्रवेश ऐप पर ऑनलाइन पंजीकरण कराना ज़रूरी है। इस पंजीकरण के बाद, डीजी ऐप एक्सेस कार्ड (आरएफआईडी) जारी किया जाता है। इसके लिए राज्य सरकार के गृह विभाग द्वारा 8 हज़ार कार्ड बनाए गए हैं। आगंतुकों को मंत्रालय में अपना काम पूरा करने के बाद वापस लौटने पर मंत्रालय के प्रवेश द्वार के पास रखे बॉक्स में अपना डीजी ऐप एक्सेस कार्ड (आरएफआईडी) जमा करना अनिवार्य है। लेकिन चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है कि 8 हज़ार कार्डों में से साढ़े तीन हज़ार कार्ड आगंतुकों द्वारा खो दिए गए हैं। इस बीच गृह विभाग ने उन आगंतुकों से अपील की है, जिन्होंने 3,500 डीजी ऐप एक्सेस कार्ड (आरएफआईडी) खो दिए हैं। वे आगंतुक अपने डीजी ऐप एक्सेस कार्ड फिर से मंत्रालय में जमा कर दें, अन्यथा, ऐसे आगंतुकों को काली सूची में डाल दिया जाएगा और इसके बाद उन्हें मंत्रालय में प्रवेश से हमेशा के लिए वंचित कर दिया जाएगा।

दरअसल जब आगंतुक मंत्रालय में प्रवेश करने के लिए अपने मोबाइल फोन पर ऑनलाइन पंजीकरण करते हैं, तो उनके मोबाइल फोन पर एक संदेश आता है, जिसमें लिखा होता है, कृपया अपना काम पूरा करने के बाद अपना डीजी ऐप एंट्री कार्ड (आरएफआईडी) बॉक्स में जमा करें। फिर भी, आगंतुकों ने इसे अनदेखा कर दिया और साढ़े तीन हजार कार्ड गायब हैं। गृह विभाग ने कहा है कि इन आगंतुकों को फोन और संदेश द्वारा अपने कार्ड फिर से जमा करने के लिए कहा गया है। फिर भी, आगंतुकों ने इसे अनदेखा कर दिया है। इसलिए, यदि आप फिर से मंत्रालय में प्रवेश करना चाहते हैं, तो आगंतुक अपने कार्ड जमा कर दें, अन्यथा आपको फिर से मंत्रालय में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

10वीं की परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया सोमवार से होगी शुरू

मुंबई (नि.स.)। महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने फरवरी-मार्च 2026 में होने वाली कक्षा 10वीं की परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया सोमवार से शुरू करने की घोषणा की है। हर साल 15 लाख से अधिक छात्र-छात्राएं इस महत्वपूर्ण परीक्षा में शामिल होते हैं और इसी वजह से पूरी शिक्षा व्यवस्था इसी प्रक्रिया पर केंद्रित होती है। इस साल भी, कक्षा 10 की परीक्षा देने के इच्छुक छात्रों के आवेदन उनके स्कूलों द्वारा 'यूडाइस प्लस' में पेन-आईडी के ज़रिए भरे जाएँगे।

चूँकि हर छात्र का पेन-आईडी नंबर अलग होता है, इसलिए सारी जानकारी सीधे बोर्ड के डेटाबेस से जुड़ जाएगी। इससे आवेदन प्रक्रिया में पारदर्शिता और तेज़ी आएगी और छात्रों को असुविधा नहीं होगी। इसमें न केवल नियमित छात्र, बल्कि पुनर्परीक्षार्थी, नामांकन प्रमाणपत्र प्राप्त करने वाले निजी छात्र, उन्नयन योजना के तहत परीक्षा देने वाले छात्र, साथ ही कुछ विषय चुनने वाले और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से क्रेडिट ट्रांसफर लेने वाले छात्र भी शामिल हैं। ऐसे सभी छात्रों के आवेदन राज्य बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट www.mahahsscboard.in पर उपलब्ध होंगे, और बोर्ड ने कहा है कि संबंधित स्कूल प्रमुखों के लिए इन आवेदनों को समय पर ऑनलाइन भरना आवश्यक है। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि आवेदन की अवधि 15 सितंबर से 6 अक्टूबर तक होगी। इस परीक्षा का शुल्क 1500 रुपये है। इस अवधि के दौरान, छात्रों और स्कूलों को बिना किसी देरी के आवेदन भरना और पूरा करना चाहिए। इसके बाद, देर से आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। इसके कारण, समय पर काम पूरा करने की जिम्मेदारी स्कूल प्रमुखों पर आ जाएगी।

10वीं की परीक्षा छात्रों की शैक्षिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव मानी जाती है। इस परीक्षा को पास करने के बाद, छात्रों के पास आगे की उच्चतर माध्यमिक शिक्षा के लिए विभिन्न विकल्प उपलब्ध होते हैं। इसलिए, बोर्ड ने छात्रों से अपील की है कि वे आवेदन भरने की प्रक्रिया में सावधानी बरतें और नाम, विषयों का विकल्प, फोटो, हस्ताक्षर जैसे सभी विवरणों को ध्यान से जांचें।

मुंबई में तेज रफ्तार कार की टक्कर में तीन लोग गंभीर रूप से घायल

मुंबई (नि.स.)। शनिवार सुबह मुंबई के घाटकोपर स्थित एलबीएस रोड पर एक तेज रफ्तार कार बैरिकेडिंग तोड़ते हुए फुटपाथ पार कर दुकान की खिड़की से टकरा गई। इस हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कार में सवार दो युवतियाँ और एक युवक नशे में थे। हैरानी की बात यह है कि हादसे के बाद कार चला रहा युवक रिक्शा लेकर मौके से फरार हो गया। वहीं दोनों युवती वहीं इंतजार कर रही थीं, लेकिन पुलिस ने दोनों युवतियों को हिरासत में लिया है। हादसे का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है और पुलिस फरार कार चालक की तलाश कर रही है।

बताया जा रहा है कि कार पर नियंत्रण खो देने के कारण यह हादसा हुआ। तेज रफ्तार कार बैरिकेडिंग तोड़ते हुए फुटपाथ पार कर दुकान की खिड़की से टकरा गई। इस हादसे में कार सवार दो युवतियां गंभीर रूप से घायल हो गई। घायलों का राजावाड़ी अस्पताल में इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि इस हादसे में शामिल दोनों युवतियां और एक युवक नशे में थे। कार में शराब की बोतलें और गिलास भी मिले हैं। यह हादसा उस समय हुआ जब चालक नशे में तेज गति से गाड़ी चलाते हुए कार से नियंत्रण खो बैठा। हादसे के बाद कार सवार युवक फरार हो गया। अब पुलिस युवक की तलाश कर रही है।

उड़ान भरते समय विमान का टायर रनवे पर गिरा

मुंबई (नि.स.)। कांडला से मुंबई आ रही स्पाइसजेट की क्यू 400 फ्लाइट में एक बड़ा हादसा टल गया। शुक्रवार 12 सितंबर को उड़ान भरने के बाद, विमान का एक बाहरी टायर रनवे पर पाया गया। जिससे पता चला कि विमान में कोई खराबी है। इससे हड़कंप मच गया। हालाँकि, उसी समय, पायलटों ने एहतियात के तौर पर विमान को मुंबई ले जाने का फैसला किया। इस विमान को सुरक्षित उतारने की ज़िम्मेदारी पायलटों पर थी। उन्होंने इस स्थिति में अपने हौसले को कमज़ोर नहीं होने दिया। वे विमान को मुंबई ले आए और मुंबई हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतार लिया।

बताया गया है कि इस विमान में 75 यात्री सवार थे। सफल लैंडिंग के बाद, विमान अपनी शक्ति से टर्मिनल तक गया। सभी यात्री सुरक्षित उतर गए। स्पाइसजेट और विमानन अधिकारियों ने भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए घटना की जाँच शुरू कर दी है। सीएसएमआईए के एक प्रवक्ता ने कहा कि कांडला से आया एक विमान तकनीकी खराबी की सूचना मिलने के बाद 12 सितंबर को दोपहर 3.51 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग कर रहा था। एहतियात के तौर पर हवाई अड्डे पर पूर्ण आपातकाल घोषित कर दिया गया था। विमान रनवे 27 पर सुरक्षित रूप से उतर गया और सभी यात्री व चालक दल सुरक्षित रहे। कुछ देर बाद हवाई अड्डे पर सामान्य परिचालन फिर से शुरू हो गया। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के एक अधिकारी ने कहा, एटीसी ने कुछ गिरता हुआ देखा। उड़ान के बाद, उन्होंने पायलट को इसकी सूचना दी। गिरी हुई वस्तु को निकालने के लिए एक एटीसी जीप भेजी गई। जब एटीसी टीम वहाँ पहुँची, तो उन्हें ज़मीन पर धातु के छल्ले और एक पहिया मिला। इसलिए, उन्होंने पायलट को इसकी सूचना दी। विमान के सुरक्षित उतरने तक सभी की जान खतरे में थी।

चार अनधिकृत निर्माणों पर पर चला बुलडोजर

भिवंडी (नि.स.)। मनपा आयुक्त के आदेश पर शहर के अलग-अलग इलाकों में बिना किसी अनुमति के गैरकानूनी तरीके से बनाए गए चार अनधिकृत निर्माणों के विरुद्ध सहायक आयुक्तों के नेतृत्व जेसीबी लगाकर कार्रवाई की गई. इससे अनधिकृत निर्माण करने वाले भवन निर्माताओं में खलबली मची हुई है।

बताते कि शहर में अनधिकृत निर्माणों पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए मुंबई उच्च न्यायालय में स्वतः संज्ञान याचिका के संबंध में 26 फरवरी 2022 को दिए गए फैसले में मनपा क्षेत्र में बनाए गए 291 अनधिकृत निर्माणों के विरुद्ध कार्रवाई करने का आदेश दिया था, जिसके के बाद मनपा आयुक्त अनमोल सागर ने पांचो प्रभाग समितियों में कार्यरत बीट निरीक्षकों एवं सहायक आयुक्तों की एक समीक्षा बैठक में कुल 291 अवैध निर्माणों पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। इसके बाद अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके एवं उपायुक्त (अनधिकृत निर्माण) विक्रम दराडे के मार्गदर्शन में गणेशोत्सव के बाद शहर के विभिन्न प्रभाग समितियों में चार अनधिकृत निर्माणों पर कार्रवाई कर उन्हें ध्वस्त कर दिया गया है।

प्रभाग समिति क्रमांक एक के सहायक आयुक्त मकसुम शेख के नेतृत्व में मनपा कर्मचारियों द्वारा शांतिनगर के नागांव स्थित संपत्ति संख्या 1901/0 पर अनधिकृत निर्माण के विरुद्ध कार्रवाई की गई। प्रभाग समिति क्रमांक तीन के सहायक आयुक्त सुरेंद्र भोईर के नेतृत्व में मनपा कर्मचारियों द्वारा सर्वे नंबर 27, 28, 29, 30 पर नवीन कनेरी, शास्त्रीनगर में स्वतः संज्ञान मामले के तहत हुए अनधिकृत निर्माण पर एवं नवीन कनेरी स्थित घर नंबर 604/2 पर अनधिकृत निर्माण के विरुद्ध कार्रवाई की। इसी तरह प्रभाग समिति क्रमांक चार के सहायक आयुक्त गिरीश घोष्टेकर के नेतृत्व में मनपा कर्मचारियों द्वारा जेसीबी लगाकर दीवानशाह दरगाह रोड, दूधबावडी स्थित घर नंबर 313, नवीन गौरीपाड़ा में अनधिकृत निर्माण को ध्वस्त करने की कार्रवाई की गई।

मनपा आयुक्त अनमोल सागर ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा है कि अनधिकृत निर्माणों के विरुद्ध यह कार्रवाई जारी रहेगी. पदनिर्देशित अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि कोई नया अवैध निर्माण न हो। साथ ही जारी अवैध निर्माणों को तुरंत रोककर उन पर निष्कासन की कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। अन्यथा संबंधित अधिकारी या कर्मचारी की जिम्मेदारी तय कर उन पर कार्रवाई की जाएगी।

भारी बारिश से प्रभावित किसानों को 74 करोड़ रुपये की सहायता

मुंबई (नि.स.)। महाराष्ट्र सरकार ने इस साल राज्य में भारी बारिश से प्रभावित किसानों को करीब 74 करोड़ रुपये की सहायता देने का निर्णय लिया है और इस बाबत सरकारी आदेश जारी किया। बताया गया है कि राज्य सरकार ने जून से अगस्त के बीच भारी बारिश के कारण जिन किसानों की कृषि फसलों को नुकसान हुआ है, उनके लिए 73 करोड़ 91 लाख 43 हजार रुपये की सहायता को मंज़ूरी दी है।

राहत एवं पुनर्वास मंत्री मकरंद जाधव पाटिल ने बताया है कि राज्य सरकार ने इस संबंध में एक सरकारी निर्णय (जीआर) जारी किया है। मकरंद जाधव पाटिल ने कहा कि जून से अगस्त 2025 की अवधि के दौरान प्राकृतिक आपदाओं और भारी बारिश के कारण जिन किसानों की कृषि फ़सलें क्षतिग्रस्त हुईं, उन्हें सहायता और राहत प्रदान करने के लिए राज्य सरकार किसानों के साथ खड़ी है। जून से अगस्त के बीच, सरकार ने क्षतिग्रस्त हुई फ़सलों का तत्काल पंचनामा किया। कितने किसानों और कितने हेक्टेयर कृषि फ़सलों को नुकसान पहुँचा, इसका आँकड़ा प्राप्त किया गया। इसके बाद, राज्य सरकार ने 73 करोड़ 91 लाख 43 हज़ार रुपये की सहायता को मंज़ूरी दी है।